सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 88 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 10 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

शीत लहर की चपेट में छत्तीसगढ़ के तीन संभाग, दुर्ग-भिलाई में रात का पारा 8 डिग्री पहुंचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर कड़ाके की ठंड पड़ रही है। प्रदेश में उत्तर शुष्क प्रवेश कर रही है। इसका असर दुर्ग, बिलासपुर और सरगुजा संभाग के जिलों में ज्यादा पड़ रही है। इन तीनों संभागों में शीतलहर चल रही है। इससे इन इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। साथ ही ग्रामीण और आउटर इलाकों में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इन क्षेत्रों में रात का पारा सामान्य से नीचे चला जाता है, जिससे ठंड काफी बढ़ जाती है। अब अलाव ही सहारा बना हुआ है।

मैनपाट में रात का पारा 1.2 डिग्री, कुछ दिन और रहेंगे यही हालात

मैदानी क्षेत्रों में ओंस की बूंदें जमकर बन रही है बर्फ

प्रदेश के तीन संभागों के जिलों में शीतलहर चल रही है। इसके साथ ही कई जिले भी इसके चपेट में है। इससे इन क्षेत्रों के मैदान में घास के ऊपर ओंस की बूंदें जमकर बर्फ बन रही हैं। प्रदेश के मैदानी इलाके दुर्ग संभाग में ठंडी का कहर जारी है। दुर्ग जिले में शीतलहर चल रही हैं। वहीं सरगुजा और बिलासपुर के कई हिस्सों में शीतलहर चल रही है।

दुर्ग में सामान्य से 5.7 डिग्री कम रहा तापमान

बता दें कि दुर्ग में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री दर्ज किया गया है जो कि सामान्य से 5.7 डिग्री कम रहा। वहीं अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री रहा। साथ ही बिलासपुर में न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 डिग्री कम रहा। दूसरी ओर अंबिकापुर के मैनपाट में रात का पारा 1.2 डिग्री तक पहुंच गया। जिससे मैदान में घास के ऊपर ओंस की बूंदें जमकर बर्फ बन रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुए, इसके साथ ही सरगुजा, बिलासपुर और दुर्ग संभाग में एक दो जगहों पर शीत लहर चली। मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि प्रदेश में 24 घंटे तक न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। इसके बाद दो से तीन डिग्री तक न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है।

खास-खबर

एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, मां और बेटी का झोपड़ी में मिला जला हुआ शव, फंदे पर मिला युवक का शव

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक ही परिवार के तीन लोगों की लाशें मिलने से हड़कंप मच गया है। घरघोड़ा थाना क्षेत्र के कमतरा गांव में एक ही परिवार के तीनों लोगों की लाश मिली है। मां और बेटी का झोपड़ी में जला हुआ शव मिला। वहीं, एक शख्स संतोष कुमार फांसी के फंदे पर लटका मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अभी प्रारंभिक जांच में पेट्रोल डालकर आत्महत्या करने की बात कही जा रही है। युवक ने पेट्रोल डालकर घर में आग लगाई है, जिससे मां-बेटी की जलकर मौत हो गई. इसके बाद बेटे संतोष कुमार ने खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

कोंडागांव में 10वीं के छात्र ने की आत्महत्याः टेस्ट में कम नंबर आने से था परेशान

कोंडागांव। कोंडागांव के आदेश्वर स्कूल में दसवीं कक्षा के छात्र प्रियांशु कोर्राम ने बाथरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मूल रूप से गोलावंड का रहने वाला 17 वर्षीय प्रियांशु अपनी बहन के पास कोंडागांव में रहकर पढ़ाई कर रहा था।

9 जनवरी की शाम 5 बजे स्कूल से लौटने के बाद उसने बहन से मैगी बनाने को कहा और बाथरूम जाने की बात कही। जब वह लंबे समय तक बाहर नहीं आया, तो बहन ने जाकर देखा और उसे फांसी पर लटका पाया। प्रियांशु के दोस्तों के अनुसार, वह अक्सर कहता था कि 9वीं तक उसके अंक बहुत अच्छे आते थे, लेकिन 10वीं के टेस्ट में नंबर कम आ रहे हैं। इस वजह से वह कुछ समय से गुमसुम और उदास रहने लगा था। कोंडागांव थाना प्रभारी सौरभ उपाध्याय ने बताया कि छात्र की मृत्यु की जानकारी मिलने के बाद जांच शुरू कर दी गई है। दोस्तों से पूछताछ में सामने आया कि परीक्षा में कम नंबर आने की चिंता में वह काफी परेशान था। आगे जांच जारी है।

गो-तस्करी को लेकर मुख्यमंत्री साय की चेतावनी, सुधर जाएं या छोड़ दें छत्तीसगढ़

राजधानी रायपुर में एक दिन पहले सामने आया गौमांस बिक्री का मामला, 6 आरोपी हुए हैं गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक दिन पहले सामने आए गोकशी के मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह मामला सामने आने के बाद हिन्दू संगठनों में नाराजगी है। दरअसल राजधानी रायपुर जैसे शहरी इलाके में बड़े स्तर पर गोमांश बिक्री का मामला सामने आने के बाद इसकी चर्चा जारी है। इधर इस मामले में छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय का भी बयान सामने आया है। उन्होंने गो-तस्तरी में लिप्त व गोमांस की बिक्री करने वालों को खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि ऐसे लोग सुधर जाएं या फिर छत्तीसगढ़ छोड़कर चले जाएं।

गो-तस्करी व गो-मांस की बिक्री का मामला सामने आने के बाद सीएम साय ने गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने शुक्रवार को एक्स हैंडल पर पोस्ट कर गो-तस्करी करने वालों को चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पोस्ट में कहा कि राजधानी रायपुर में गौमांस बिक्री के

आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह न केवल गंभीर अपराध है, बल्कि यह सनातन आस्था और सामाजिक सद्भाव को गहरा आघात पहुंचाने वाला कृत्य है। गौमाता की तस्करी करने वाले या तो सुधर जाएं या छत्तीसगढ़ छोड़ दें। ऐसे अपराधियों की प्रदेश में कोई जगह नहीं है।

पुलिस की टीम को देखकर कई लोग भागे

पुलिस पार्टी आते देख अन्य कई लोग मौके से भाग निकले। पकड़े गये व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम समीर मंडल बताया। आरोपी समीर मंडल को पकड़कर कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने खुर्शीद अली, मोहम्मद मुन्तजीर हैदर, अशफाक अली, अरमान हैदर एवं मोह. ईरशाद कुरैशी के साथ मिलकर गौमांस की बिक्री करना बताया गया। इस पर पुलिस ने प्रकरण में संलिप्त आरोपी खुर्शीद अली, मोह. मुन्तजीर हैदर, अशफाक अली, अरमान हैदर एवं मोह. ईरशाद कुरैशी की पतासाजी कर सभी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

रायपुर के मोमिनपारा के घर पर चल रहा था व्यापार

बता दें कि रायपुर के आजाद चौक थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोमिनपारा में एक घर के भीतर गौ-मांस बेचने के मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी पुलिस के रेड पड़ते ही भाग गए थे। इस मामले में देर रात तक आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर गौ-सेवकों ने जमकर बवाल किया। पुलिस ने घर के भीतर कमरों में चाकू-तराजू समेत गौ-मांस भी बरामद किया था। पुलिस को जानकारी मिली तो एक स्पेशल टीम का गठन कर मोमिनपारा के मकान पर रेड मारा था। इस दौरान बड़ी संख्या में गौ सेवक भी उपस्थित थे। पुलिस ने रेड मारा तो घर से कई टुकड़ों में गौ-मांस मिला। तीन कमरों में गौ-मांस काटने का काम चल रहा था। मौके से तराजू, काटने का सामान और सप्लाई होने वालों की लंबी लिस्ट मिली है।

कबीरधाम का बैगा परिवार को राष्ट्रपति से मिला विशेष निमंत्रण

■ गणतंत्र दिवस समारोह में होंगे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के साथ एक बड़ी उपलब्धि जुड़ने वाली है। जिले के के पंडरिया ब्लॉक के तीन विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवार के छह सदस्य 26 जनवरी को देश की राजधानी दिल्ली के कर्तव्य पथ में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के विशेष आमंत्रण पर इन्हें आमंत्रित किया गया है। कबीरधाम का यह बैगा परिवार राष्ट्रपति के साथ भोज में भी शामिल होंगे।

कबीरधाम कलेक्टर ने गोपाल वर्मा ने बैगा परिवार को राष्ट्रपति के विशेष निमंत्रण प्राप्त होने पर बधाई दी है। उन्होंने जिले के इन बैगा परिवारों को दिल्ली तक गणतंत्र दिवस के आयोजन तक सुरक्षित ले जाने जिला क्रेडा अधिकारी की ड्यूटी लगाई है। इन बैगा परिवार को दिल्ली प्रवास के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ आयोजित विशेष रात्रि भोज में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा पीएम आवास, संसद भवन, राष्ट्रपति भवन आदि स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

इन्हें मिला है आमंत्रण

विशेष आमंत्रित बैगा परिवार में ग्राम पंचायत कांदावनी के आश्रित ग्राम पटपरी की जगतिन बाई बैगा और उनके पति फूल सिंह बैगा, ग्राम तेलियापानी की तीतरी बाई बैगा और पति बुध सिंह बैगा, ग्राम तेलियापानी के बाली बाई बैगा, पति सोनू राम बैगा कुल छह बैगा सदस्य है। छत्तीसगढ़ के यह बैगा परिवार राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाते हैं।

सीएम साय ने किया केन्द्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह का स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भारत सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को छत्तीसगढ़ प्रवास पर पहुंचे। सुबह 11 बजे रायपुर एयरपोर्ट पर उन्हें रिसीव करने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उपस्थित रहे। इस मौके पर सीएम साय ने केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भांचा राम के ननिहाल, छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन। बता दें केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान दुर्ग जिले में आयोजित अलग अलग कार्यक्रमों में शामिल होने छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं। वे आज आवासहीनों को पीएम आवास की चाबी भी सौंपेंगे।

दुर्ग से चलने वाली चार ट्रेनों को रेलवे ने किया रद्द, मार्च के पहले सप्ताह तक रहेंगी कैंसिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग से उत्तर भारत को जोड़ने वाली कुछ ट्रेनों को लंबे समय के लिए रद्द किया जा रहा है। उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल में जम्मू तवी रेलवे का रि-डेवलपमेंट का कार्य नॉन इंटर लोकिंग लेकर किया जाएगा, इसके कारण दुर्ग से उधम पुर जाने वाले दो ट्रेनों को अप और डाउन दोनों दिशाओं से रद्द किया जा रहा है। जनवरी से लेकर मार्च के बीच यह ट्रेन अलग अलग तिथियों में रद्द रहेगी। इसके कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यही नहीं यात्रा के लिए पूर्व से टिकट रिजर्व करने वालों टिकट कैंसिल कराने पड़ेंगे।

रद्द होने वाली ट्रेनें

- दिनांक 15, 22, 29 जनवरी, 2025 एवं 05, 12, 19, 26 फरवरी, 2025 को दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20847 दुर्ग ऊधमपुर सुपर फास्ट एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- दिनांक 17, 24, 31 जनवरी, 2025 एवं 07, 14, 21, 28 फरवरी 2025 को ऊधमपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20848 ऊधमपुर दुर्ग सुपर फास्ट एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- दिनांक 14, 21, 28 जनवरी, 2025, 04, 11, 18, 25

फरवरी 2025 एवं 04 मार्च 2025 को दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12549 दुर्ग ऊधमपुर सुपर फास्ट एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

- दिनांक 16, 23, 30 जनवरी, 2025, 06, 13, 20, 27 फरवरी, 2025 एवं 06 मार्च 2025 को ऊधमपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12550 ऊधमपुर दुर्ग सुपर फास्ट एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

पॉडकास्ट में मोदी की साफगोई

श्रीकंचनपथ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में आम धारणा है कि वे मीडिया के ऊटपटांग सवालों का जवाब नहीं देते। शायद इसीलिए विवादों से भी बचे रहते हैं। बतौर मुखिया वे घर में कम ही बोलते हैं पर बाहरी मामलों में मजबूती के साथ अपनी बात रखते हैं। इसलिए लोगों के लिए यह समझना कठिन हो जाता है कि उनके मन में क्या चल रहा है। देर से ही सही पर उन्होंने अपनी बातें एक पॉडकास्ट के जरिए रखी हैं। यह पॉडकास्ट भारतीय उद्यमी, निवेशक और स्टॉक ब्रोकर निखिल कामथ के साथ शूट किया गया। इस पॉडकास्ट का नाम 'पीपल बाई डब्ल्यूटीएफ' है। हालांकि पॉडकास्ट को रिलीज होने में अभी थोड़ा वक्त है पर इसकी मुख्य बातें बताती हैं कि पीएम के दिल में क्या चल रहा है। मोदी अपने भाषणों में भी हमेशा युवाओं का आह्वान करते नजर आते हैं। पॉडकास्ट में भी उन्होंने युवाओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की राजनीति में भागीदारी जरूरी है। पर वे यहां कोई एम्बिशन लेकर नहीं बल्कि एक मिशन के साथ आएं। दरअसल, भारतीय राजनीति का स्वरूप पिछले चार-पांच दशक में तेजी से बदला है। अब राजनीति में देश सेवा का जज्बा लेकर आने वाले लोग कम ही होते हैं। अधिकांश लोग पॉलीटिक्स में आते ही पावर और पैसों के लिए है। इस पावर का भौंडा प्रदर्शन स्कूल, कालेज से लेकर सड़कों तक पर देखने को मिल जाता है। प्रायः सभी राजनीतिक दलों की अपनी-अपनी युवा इकाई है। जैसे ही उनकी पार्टी विपक्ष में जाती है, ये आक्रामक हो जाते हैं। पार्टी के सत्ता में आते ही ये कमाने लग जाते हैं। यहां तक तो फिर भी ठीक है पर पावर और पहुंच का धौंस देकर ये अकसर पुलिस को भी खामोश कर देते हैं। इन युवा इकाइयों के पदाधिकारी अपनी गाड़ियों में अपने पद की नेम-प्लेट लगाकर सड़कों पर घूमते हैं। ट्रैफिक पुलिस भी इनसे उलझने में कतराती है। कुछ ही युवा नेता ऐसे होते हैं जो पार्टी में ऊपर तक जाने की महत्वाकांक्षा के साथ आते हैं और तन-मन-धन से पार्टी की सेवा करते हैं। पर पीएम चाहते हैं कि राजनीति में आने वाले युवा इससे भी ऊपर उठकर सोचें। पर ऐसा होता हुआ फिलहाल तो संभव नहीं दिखता। नवधनाढ्य देश अभी तो मजे कर रहा है। सरकार सड़क चौड़ी कर रही है और लोगों की गाड़ियां चौड़ी हो रही हैं। जनरल बोगी वाले स्लीपर में, स्लीपर वाले एसी में और एसी वाले हवाईजहाज में घूम रहे हैं। घर का खाना खाने वाला अब घर बैठकर भी बाहर का ही खाना खा रहा है। इस रईसी में सबसे बड़ा रोल पैसों का हो गया है। इसलिए मिशन लेकर राजनीति में केवल वही आ सकता है जिसके बाप-दादा इतना कमाकर छोड़ गए हों कि फुट्टानी भी चले और नेतागिरी भी। ऐसी उम्मीदें मिडिल क्लास की संतानों से नहीं रखनी चाहिए। आज तो पूरा देश ही पावर पॉलीटिक्स के हवाले है।

संपादकीय

आरक्षण के बाद कहीं खुशी तो कहीं गम

नगरीय प्रशासन विभाग की ओर से साल 24-25 में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव के लिए महापौर व अध्यक्ष के लिए आरक्षण का सब इंतजार कर रहे थे। आरक्षण हो गया है,आरक्षण के बाद कहीं खुशी तो गम का माहौल है। जिन नेताओं की पत्नियां समाज व राजनीति में सक्रिय हैं वह अपने गम खुशी में बदलने के लिए खुद नहीं बन सके तो पत्नी को महापौर का टिकट दिलाने के लिए सोच रहे हैं।14 नगर निगम में पांच निगम में महिलाएं महापौर बनेंगी,54 नगर पालिका में 18 महिलाएं नपा अध्यक्ष बनेंगी,124 नगर पंचायतों में 41 नगर पंचायत अध्यक्ष बनेंगी तो इससे महिलाओं में खुशी है कि उनको भी इस बार महापौर व अध्यक्ष बनने का मौका मिला है।

> **महिलाओं को आरक्षण मिलने का यह फायदा हो रहा है कि पुरुष न चाहें तो भी आरक्षण के कारण महिलाओं को मौका तो मिलेगा ही। लोकतंत्र में यह उनका अधिकार है जिस तरह पुरुषों को चुनाव लड़ने का मौका मिलता है, उसी तरह महिलाओं का भी मिलना चाहिए। खुशी की बात यह है कि अब महिलाओं को पहले से ज्यादा मौका नगरीय निकाय चुनाव में मिल रहा है। यह एक तरह से महिलाओं के लिए विधायक व सांसद बनने का द्वार है। वह नगरीय निकाय में अच्छा काम करती हैं तो राजनीतिक दल उनको विधायक व सांसद बनने का मौका दे सकते हैं।**

नगरीय निकाय की तरह जिस दिन विधायकों व सांसद पद के लिए नगरीय निकाय चुनाव की तरह आरक्षण हो जाएगा, महिलाओं को विधानसभा व संसद में भी ज्यादा प्रतिनिधित्व मिल सकेगा।मोदी सरकार ने महिला आरक्षण का बिल पास करा लिया है। कुछ सालों बाद वह लागू होगा तो महिलाओं को विधायक व सांसद बनने का ज्यादा मौका मिलेगा। नगरीय निकाय चुनाव के लिए 14 निगम में 5 महिला, 54 नपा में 18 महिला व 124 नगर पंचायत में कुल 41 महिलाओं को अलग अलग वर्ग में आरक्षण मिला है यानी 192 में से 64 जगह महिलाओं को आरक्षण मिला है तो इस पर्याप्त कहा जा सकता। इतना बढ़ावा तो राजनीतिक दल भी अपने संगठन में महिलाओं को नहीं देते हैं।

भाजपा ने हाल ही में अपने संगठन का विस्तार किया है, उसने 34 जिला अध्यक्षो में चार महिला अध्यक्ष बनाए हैं। यही हाल कांग्रेस का भी रहता है, दोनों राजनीतिक दल महिला सशक्तिकरण की बात तो खूब करते हैं, लेकिन जब महिलाओं को आगे बढ़ाने का मौका आता है तो दोनों नहीं बढ़ाते हैं अगर नगरीय निकाय चुनाव में आरक्षण नहीं होता तो राजनीतिक दल महिलाओं को जितना जगह मौका मिला है,उतना मौका नहीं देते। आरक्षण के कारण महिलाओं को मौका देना राजनीतिक दलों की मजबूरी है तो महिलाओं के लिए यह खुशी का मौका है।खुश तो वह नेता भी हैं कि जो खुद महापौर बनना चाहते थे लेकिन महापौर का पद महिला के लिए आरक्षित हो जाने के कारण वह खुद नहीं महापौर नहीं बन सकते लेकिन अब वह चाहते हैं कि उनकी पत्नी महापौर बन जाए।

आरक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब रायपुर निगम की महापौर किसी भी राजनीतिक दल से कोई महिला ही होगी। इससे रायपुर में महिला दावेदारों के नाम सामने आने लगे हैं और उनके नामों की चर्चा भी होने लगी है।भाजपा से निगम महापौर की प्रबल दावेदार मीनल चौबे मानी जा रही हैं क्योंकि वह निगम की राजनीति में सक्रिय है, तीन बार की पार्षद हैं, पांच साल से निगम में नेता प्रतिपक्ष हैं।भाजपा में मीनल चौबे के अलावा जिन लोगों के नाम चर्चा में है, वे हैं प्रभा दुबे, ममता अग्रवाल,लक्ष्मी वर्मा,शताब्दी पांडेय,ममता साहू, सीमा साहू,सीमा कंदोई।कांग्रेस से महापौर रह चुके प्रमोद दुबे की पत्नी दीप्ति दुबे,पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा की पत्नी परमिंदर जुनेजा,निगम में राजस्व विभाग की अध्यक्ष व तीन बार की पार्षद अंजनी राधेश्याम विभार,डॉ,मीनाक्षी कन्हैया अग्रवाल,शोभा यादव,बबिता नथानी,वंदना राजपूत, उषारंजन श्रीवास्तव के नाम प्रमुख है, पुराने लोगों में किरणमयी नायक व छाया वर्मा का नाम भी लिया जा रहा है कि इन लोगों को भी मौका मिल सकता है।

अभी समाजों की तरफसे दावेदारी सामने नहीं आई है, आने वाले दिनों में समाज की तरफसे कहा जा सकता है कि हमारे समाज की महिला को महापौर का प्रत्याशी बनाया जाए जैसा विधानसभा चुनाव में किया गया था।फिलहाल सिंधी समाज से दो महिलाओं के नाम सामने आए हैं एक हैं राशि बलवानी, दूसरी है कविता ग्वालानी।इसके अलावा जिन लोगो को विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिली ऐसे पूर्व विधायक भी प्रदेश में महापौर के लिए दावेदारी कर रहे हैं। वह सोचते हैं विधायक टिकट नहीं मिली तो महापौर के लिए कोशिश की जाए। विधायक नहीं बन सके तो महापौर ही बन जाएं। राजनीति में पद का बड़ा महत्व होता है, जो एक बार पद पर रहता है वह सोचता है कि उसे हमेशा पद पर रहना चाहिए। पद चाहे छोटा ही सही पर होना चाहिए।

जो महापौर बन जाता है वह सोचता है वह फिर महापौर बन जाए, वह नहीं बन सकता तो पत्नी को बनाना चाहता है। यानी पद में घर का ही कोई रहना चाहिए।ऐसे में भाजपा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष सुभाष तिवारी का बयान शहर के लोगों को अच्छा लग सकता है कि पत्नियों का नाम आगे करने की परंपरा भाजपा में नहीं रही है। हमारी पार्टी को कोई भी महापौर का दावेदार अपनी पत्नी की नाम आगे नहीं करेगा।हमारी पार्टी में महापौर का चुनाव लड़ने के लिए योग्य महिला उम्मीदवारों की कमी नहीं है।

नजरिया

एक देश एक चुनाव : राष्ट्र की आवश्यकता

'एक देश एक चुनाव' पर बनी उच्च स्तरीय कमिटी की सिफारिशों को केन्द्रीय केबिनेट ने मंजूर कर लिया है। हमारी सरकार की इच्छा अगले पांच वर्षों में इसे सारे देश में लागू करने की है। यह कोई राजनैतिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्र की महती आवश्यकता है। यह बात कानून एवं कार्मिक मामलों की स्थायी संसदीय समिति की रिपोर्ट 2015 में भी उजागर हुई है। इस पर नीति आयोग, विधि आयोग व चुनाव आयोग की पहल भी होती रही है। राष्ट्रपति के अभिभाषण से लेकर प्रधानमंत्री के अनेक वक्तव्यों में भी यह मुद्दा चर्चा के केंद्र में रहा है।

गिरीराज सिंह, केंद्रीय कपडा मंत्री

'एक देश एक चुनाव' की संभावनाओं पर विचार करने हेतु पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी की अध्यक्षता में गठित आठ सदस्यीय समिति ने भी इस पर अपनी संस्तुति प्रदान की है, जिसे हमारी सरकार ने मान लिया है। हालाँकि इस प्रस्ताव का बीजारोपण सर्वप्रथम 1983 ई. में चुनाव आयोग ने किया था जिसे उस समय की सरकार ने निरस्त कर दिया था। फिर 1999 ई. में लॉ कमीशन ने इसका सुझाव दिया जिसपर 2002 में बाजपेयी सरकार द्वारा गठित संविधान समीक्षा आयोग या वेंकटचलईया समिति ने इसका व्यापक समर्थन किया। आगे 2014 में हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद यह मुद्दा चर्चा के केंद्र में आया जिसकी पूर्णाहुति है पूर्व राष्ट्रपति कोविंद जी ने नेतृत्व में बनी आठ सदस्यीय समिति की संस्तुति और इसपर केन्द्रीय केबिनेट की मंजूरी।

एक देश एक चुनाव क्या है?

किसी भी जीवंत लोकतंत्र में चुनाव एक आवश्यक प्रक्रिया है। भारत जैसे विशाल देश में अबाध चुनावी प्रक्रिया सम्पन्न कराना हमेशा से एक टेढ़ी खीर रहा है। लोकसभा और राज्यों के विधानसभाओं के चुनाव का कोई नियत समय नहीं होता है। यह सांसदों और विधायकों के विश्वास मत और सरकार की मंशा के अधीन होता है।इसके अलावे पंचायत और नगर पालिकाओं के चुनाव को भी यदि इसमें शामिल कर लिया जाए तो ऐसा लगता है जैसे देश एक चुनावी दुश्चक्र में फंस गया हो। इससे न केवल प्रशासनिक और नीतिगत निर्णय प्रभावित होते हैं, बल्कि राष्ट्रीय संपत्ति और जनता के पैसों का भी नुकसान होता है। इसलिए नीति निर्धारकों का यह विचार है कि क्यों न लोकसभा, विधान सभाओं और पंचायत व नगरपालिकाओं के चुनाव साथ-साथ करवाएं जाएँ। इस प्रकार 'एक देश एक चुनाव' लोकसभा और विधानसभाओं तथा स्थानीय निकायों के चुनावों को साथ-साथ करवाये जाने का वैचारिक उपक्रम है। इस संदर्भ में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी की अध्यक्षता में बनी उच्च स्तरीय समिति की सिफारिश है कि चुनाव दो चरणों में कराए जाएं। पहले चरण में लोकसभा और राज्य विधान सभाओं के चुनाव कराएं जाएं तथा दूसरे चरण में नगरपालिकाओं और पंचायतों के चुनाव हों। इन्हें पहले चरण के चुनावों के साथ इस तरह से कॉर्डिनेट किया जाए कि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव के सौ दिनों के भीतर इन्हें पूरा किया जाए। इसके लिए कुछ विधानसभाओं के कार्यकाल में कटौती करनी होगी और कुछ के कार्यकाल में विस्तार करना होगा। एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर इस उच्च स्तरीय समिति ने कुल 47 राजनैतिक दलों से बातचीत की। इसमें कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों समेत केवल 15 दलों ने विरोध जताया जबकि 32 दलों ने इस पर अपनी सहमति प्रदान की। लेकिन सवाल उठता है कि यह एक देश एक चुनाव इतना आवश्यक क्यों है?

एक देश एक चुनाव आवश्यक क्यों?

चुनावों की बारंबारता के कारण बार-बार आदर्श आचार सहिंता यानी मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट लगाना पड़ता है। इससे सरकार आवश्यक नीतिगत निर्णय नहीं ले पाती है और विभिन्न योजनाओं-परियोजनाओं की गतिविधियाँ प्रभावित होती है। यहाँ बताते चलें कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद सत्ताधारी दल, मंत्रियों या लोक प्राधिकारियों द्वारा किसी नियुक्ति प्रक्रिया, परियोजना की घोषणा, वित्तीय मंजूरी या नई स्कीमों आदि की शुरुआत की मनाही रहती है। जिससे सत्ताधारी दल को चुनाव में अतिरिक्त लाभ न मिले। लेकिन भारत में चुनावों की अधिकता-बारंबारता के कारण यह कई बार आवश्यक विकासत्मक परियोजनाओं को भी रोक देता है जिससे विकास बाधित होता है। यदि देश में एक ही बार लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव संपादित किये जाएँ तो अधिकतम तीन महीने ही आदर्श आचार संहिता लागू रहेगी, बांकी के चार साल नौ महीनें तो निर्बाध रूप से विकासात्मक परियोजनाओं को संचालित किया जा सकता है। अतः देश को विकास के पथ पर तीव्रता से अग्रसर करने हेतु वन नेशन वन इलेक्शन आवश्यक है।

एक देश एक चुनाव के पक्ष में दूसरा प्रमुख तर्क यह है कि इससे चुनावों पर होने वाले भारी खर्च में कमी आएगी और राष्ट्रीय कोष में वृद्धि होगी। दिनों-दिन चुनावी व्यय में होने वाली वृद्धि इस बात का सबूत है कि चुनावों में बढ़ता बेतहाशा खर्च देश की आर्थिक सेहत के लिए नुकसानदेह है। ज्ञात हो कि 1952 के प्रथम आम चुनाव में जहाँ मात्र 10 करोड़ रूपये खर्च हुए थे वहीं 2009 के आम चुनाव में 11 सौ करोड़ रुपये खर्च किये गये और 2014 के चुनाव में यह चुनावी व्यय बढ़कर लगभग 4 हज़ार करोड़ रुपये हो गया। हद तो तब हो गई कि 2019 के आम चुनाव का खर्च विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 55 से 60 हजार करोड़ रुपये बताया जा रहा है। वहीं कई मीडिया रिपोर्ट्स का यह दावा है कि 2024 के आम चुनाव का कुल खर्चा लगभग 1.35 लाख करोड़ है जो कि जो कि पुरे विश्व के किसी भी देश की चुनावी खर्चे में सर्वाधिक है। एक आकलन के मुताबिक पांच सालों में देश में होने वाले समस्त चुनावों यथा लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनावों का कुल खर्चा यदि जोड़ा जाए तो यह लगभग 2.5 से तीन लाख करोड़ रूपये होगा। अतः इसे कम करने के लिए एक देश एक चुनाव का विचार सर्वोत्तम है। साथ ही तीसरी बात यह कि एकसाथ लोकसभा और विधान सभाओं के चुनाव होने से काले धन पर रोक लगेगी और भ्रष्टाचार पर लगाम कसने में भी मदद मिलेगी। यह चुनाव सुधार की दिशा में भी कारगर कदम सिद्ध होगा।

चौथी बात यह कि वन नेशन वन इलेक्शन से कर्मचारियों के मूल कृत्यों के निर्वहन में तीव्रता आएगी साथ ही लोगों के सार्वजनिक जीवन के व्यवधान में भी कमी आएगी। विदित है कि हमारे यहाँ चुनाव कराने हेतु शिक्षकों एवं सरकारी सेवा में कार्यरत कर्मचारियों की सेवा ली जाती है जिससे उनका मूल कार्य प्रभावित होता है। इतना ही नहीं चुनाव सुरक्षित हो तथा अवांछनीय तत्वों द्वारा इसे प्रभावित न किया जाए इसके लिए कुल मिलाकर लगभग डेढ़ करोड़ चुनावकर्मी और सुरक्षाबल की तैनाती की जाती है। इससे शिक्षा एवं सुरक्षा व्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है तथा देश के अन्य आवश्यक कामकाज भी प्रभावित होते हैं। चुनावों के कारण सख्त सुरक्षा इंतजाम की वजह से आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति में खलल पड़ता है और महंगाई में इजाफा होता है। साथ ही एक के बाद एक होने वाली चुनावी रैलियों व प्रचारों से यातायात की परेशानियों में भी वृद्धि होती है और आम जनजीवन प्रभावित होता है। इस कारण यदि एक ही साथ यदि चुनाव हो तो यह मानव संसाधन के प्रयोग तथा लोक जीवन की सुगमता की दृष्टि से कहीं ज्यादा बेहतर विकल्प होगा।

पांचवीं बात यह है कि छोटे राजनैतिक दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों को भी बार-बार चुनावी प्रचार और संसाधन की कमी जैसी चुनौती से निपटने में आसानी होगी और वो पूरी ताकत से जनता के मुद्दे को पटल पर लाने में सक्षम साबित होंगे। चुनावों की अधिकता वोटरों में अरुचि पैदा करती है और इससे मतदान प्रतिशत में कमी आने का खतरा बढ़ता है। जबकि पांच वर्ष में एकसाथ एकबार चुनाव होने से आम मतदाता में चुनावों के प्रति दिलचस्पी बढ़ेगी तथा वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

छठी और अंतिम बात यह है कि एक देश एक चुनाव कोई अनूठा प्रयोग नहीं है कि इसका विरोध किया जाए, बल्कि इस प्रकार की प्रथा शुरूआती चार चुनावों में अपनाई जाती रही है। इसलिए जो भी दल इसकी व्यावहारिकता को लेकर संशय या विरोध जताते हैं उन्हें सन 1952, 1957, 1962 और 1967 के आम चुनावों को जरुर याद करना चाहिए, जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ करवाए गये थे। हाल ही में जब 18वीं लोकसभा चुनावों के साथ ओडिशा, आंध्र प्रदेश, सिक्किम और अरुणाचल के विधानसभा चुनाव हुए हैं तो फिर बाकी राज्यों के क्यों नहीं हो सकते?

आगे की राह

इसमें दो राय नहीं कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत, चुनावी चक्रव्यूह में घिरा हुआ नज़र आता है। इसलिए चुनावों के चक्रव्यूह से देश को निकालने के लिए एक विषद चुनाव सुधार अभियान की आवश्यकता है। इसमे जनप्रतिनिधित्व की धारा को अपटूडेट बनाना, काले धन पर रोक लगाना, राजनीति के अपराधीकरण के खिलाफ सख्त कानून बनाना, रचनात्मक अविश्वास व् रचनात्मक विपक्ष की परिपाटी को बढ़ावा देना तथा जनशिक्षण के द्वारा लोगों में राजनैतिक चेतना व जागरूकता का सही विकास करना जैसे ज़रूरी कदम हमारी सरकार लगातार उठा रही है। जब-जब नेता, नीति को छोड़कर राजपाट पाने को आतुर होते हैं तो चुनावों की अधिकता इस देश का दुर्भाग्य बन जाती है। सोचने की बात है कि जब वन नेशन वन टैक्स का विचार फलीभूत हो सकता है तो वन नेशन वन इलेक्शन को आज़माने में क्या परेशानी है? ऐसे भी एकसाथ चुनाव करवाने वाला भारत कोई एकलौता देश नहीं होगा बल्कि बेल्जियम, स्वीडेन, दक्षिण अफ्रीका भी एक साथ चुनाव करवाते आयें हैं। इस दिशा में राजनैतिक दलों को भी खुले मन से चुनाव सुधार की दिशा में अग्रसर होने की आवश्यकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यदि हम राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुकूल राजनीतिक प्रणाली को नहीं सुधारेंगे तो यह राष्ट्र को दीमक की तरह चट कर सकती है। अतः एक देश एक चुनाव एक प्रगतिशील कदम है जो कि राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुकूल है।

(ये लेखक के विचार हैं)

नये चीनी वायरस से चिन्ता में डूबी दुनिया

ललित गर्ग

मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना को झेल चुकी दुनिया पर एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण की खबर ने दुनियाभर को चिंता में डूबो दिया है, बाजार से लेकर सामान्य जन-जीवन तक में डर, खौफ, अफरा-तफरी एवं असमंजस्य का माहौल व्याप्त है। कोविड-19 और अन्य श्वसन वायरस की तरह एचएमपीवी भी खांसने, छींकने और संक्रमित लोगों के निकट संपर्क से उत्पन्न बूंदों या एरोसोल के माध्यम से फैलता है। बुखार, सांस फूलना, नाक बंद होना, खांसी, गले में खराश और सिरदर्द इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि कुछ मरीजों को इस संक्रमण के कारण ब्रोंकाइटिस और निमोनिया हो सकता है। एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है। चीन में सांस की बीमारियों के बढ़ते मामलों की खबरों के बाद, भारत सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ से स्थिति पर लगातार अपडेट देने का अनुरोध किया है।

नये वर्ष में प्रवेश की शुभबेला में एकाएक इस महामारी की खबर से दुनिया भौचक्क एवं खौफ में आ गयी है। क्योंकि कोविड-19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए वायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। वहां हालात बेकाबू हो रहा हैं, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी-जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर के अंत में चीनी सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक 14 वर्ष और उससे कम आयु के मामलों में एचएमपीवी की पॉजिटिव दर में हाल ही में वृद्धि हुई है। एचएमपीवी वायरस से छोटे बच्चे, वृद्ध और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग ज्यादा प्रभावित हुए है। चीन के साथ ही दुनिया के अनेक हिस्सों से इस महामारी से पीड़ित लोगों की खबरें आ रही है। भारत में भी चीन का खतरनाक वायरस एचएमपीवी पहुंच गया है। खबरों की मानें तो बेंगलुरु में 8 महीने का एक बच्चा एचएमपीवी वायरस से संक्रमित पाया गया है। बच्चे का ब्लड टेस्ट किये जाने के बाद ये दावा किया जा रहा है। यह भारत में एचएमपीवी वायरस का पहला मामला है। हालांकि, भारत में एचएमपीवी वायरस के मामले की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई।

चीन में सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि इन्फ्लूएंजा ए, एचएमपीवी, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड सहित कई वायरस फैल रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एचएमपीवी मामलों में वृद्धि के कारण अचानक मृत्यु दर में चिंताजनक वृद्धि हुई है तथा 40 से 80 वर्ष की आयु के लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित हुए हैं। चीन की जिम्मेदार एजेंसियां इस वायरस के दुष्प्रभाव को घटाने में लगी हैं और यह उम्मीद की जा रही है कि चीन इस रोग पर लगाम लगाने में कामयाब हो जाएगा। चीन अपने यहां कोरोना वायरस पर भी लगाम लगाने में एक हद तक कामयाब रहा था। लेकिन वह दूसरे देशों में उसे फैलने से नहीं रोक पाया। लेकिन इस बार अब यह उम्मीद करनी चाहिए कि सजग चीन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने यहां से किसी भी संदिग्ध को किसी दूसरे देश की यात्रा न करने दें। साथ ही इस महामारी पर नियंत्रण पाने में जिस विधि एवं उपचार पद्धति से वह सफलता पाये, उसे समूची दुनिया से साझा करें, ताकि महामारी से महाविनाश का प्रकोप व्यापक न बन सके।

एचएमपीवी का संक्रमण व्यक्तिगत संपर्क से बढ़ रहा है। अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के किसी सामान को कोई स्वस्थ व्यक्ति छुए या उसके सम्पर्क में आये तो संक्रमण का खतरा बताया जा रहा है। यह वायरस चूंकि नया है, तो इसका अभी कोई टीका नहीं है। इसकी कोई एंटीवायरल दवा भी नहीं है। यह अच्छी बात है कि अधिकांश मामलों में लोगों को मामूली समस्याएं आ रही हैं। ज्यादातर लोग लक्षण के अनुरूप उपचार और आराम से ही ठीक होते जा रहे हैं। चीन ने साफतौर पर कुछ बताया नहीं है, मगर अनुमान यही है कि गंभीर मामलों में लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन थेरेपी या कॉर्टिकोस्टेरॉइड उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अगर मानें, तो इस वायरस का संक्रमण अक्तूबर महीने से ही बढ़ रहा है। अच्छा यही है कि यह बीमारी मौसमी साबित हो और कम से कम लोगों के जीवन पर असर डाले। कोरोना महामारी तो महाविनाश का कारण बनी थी, एचएमपीवी ऐसा अनर्थ ना करें।

चीन की साख कोरोना महामारी के कारण बहुत गिरी थी, दुनियाभर में लोगों के स्वास्थ्य पर हमला करने वाला चीन दुनिया की नजरों से गिर गया था। आखिर चीन अच्छी-अच्छी वस्तुओं, तकनीक एवं साजोसामान का निर्यात करते-करते महामारियों का निर्यातक क्यों बन गया? स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक क्रांति के लिये अग्रणी चीन अपने यहां आए दिन हो रहे ऐसे संक्रमण को लेकर सजग क्यों नहीं है? अब यह सवाल बिल्कुल जायज है कि वैज्ञानिक या कृत्रिम तरक्की की होड़ में कहीं चीन अपने लोगों के बुनियादी स्वास्थ्य की अनदेखी तो नहीं कर रहा है? कहीं चीनियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता समाप्त या बहुत कम तो नहीं हो गई है? वे बार-बार किसी-न-किसी प्रकार की महामारी की चपेट में आ रहे हैं और सम्पूर्ण मानव जाति को इससे पीड़ित बना रहे है तो यह गंभीर बात है। क्या इसका बड़ा कारण चीनी लोगों को खान-पान है? जरूरत से ज्यादा सुविधावादी जीवनशैली, कृत्रिम संसाधनों की प्रचुरता एवं अप्राकृतिक जीवन उनकी सेहत पर भारी पड़ रहा है।

ध्यान रहे कोरोना महामारी के समय विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका संतोषजनक नहीं थी। कोरोना महामारी की भयावहता के बावजूद वह चीन के प्रति उदार बना रहा। इसलिये एचएमपीवी महामारी के सन्दर्भ में सवाल उठ रहे हैं कि क्या डब्ल्यूएचओ गंभीरता दिखाते हुए पर्याप्त कदम उठायेगा? क्या उसने कोरोना महामारी के समय चीन से सही सवाल पूछे होते तो इस बीमारी के संभावित खतरे को नियंत्रित किया जा सकता था? क्या कोरोना बीमारी को लेकर विश्व को समय से सलाह न दे पाने में नाकाम रहने के लिए उसे जिम्मेदार माना जाना चाहिए? इस नयी महामारी को लेकर भी इन्हीं कारणों से डब्ल्यूएचओ पर ज्यादा विश्वास कैसे किया जा सकता है? भारत में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ.अतुल गोयल ने शुक्रवार को कहा कि एचएमपीवी एक सामान्य सांस संबंधी वायरस है जो सर्दी जैसे लक्षण पैदा करता है। कुछ लोगों को, खासकर बुजुर्गों और शिशुओं को, फ्लू जैसे लक्षण हो सकते हैं। लेकिन यह कुछ गंभीर या चिंताजनक नहीं है।' डॉ. गोयल ने भले से मनोवैज्ञानिक तरह से एचएमपीवी वायरस को गंभीर न बताकर इसके आतंक को कम कर दिया है, सरकार भी इस महामारी को लेकर सतर्क है, लेकिन फिर भी इस नये वायरस की त्रासदी एवं संकट से जूझ रहे विश्व-मानव को सावधान रहना चाहिए। विभिन्न देशों की सरकारों एवं डब्ल्यूएचओ का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य के स्तर को ऊंचा उठाना है। हर इंसान का स्वास्थ्य अच्छा हो और महामारी का शिकार होने पर हर व्यक्ति को अच्छे प्रकार के इलाज की अच्छी सुविधा मिल सके, ऐसे प्रयास करने है। इक्कीसवीं सदी की पहली रजत जयन्ती वर्ष की शुरुआत नये वायरस की महामारी के रूप में एक वैश्विक त्रासदी के साथ होना दुःखद है। ऐसी त्रासदी जो विश्व की बड़ी सत्ताओं को मानव कल्याण की नीतियों को अपनाने एवं इंसान को अपने जीवन मूल्यों और जीवनशैली पर पुनर्चिंतन करने को मजबूर कर रही है और उनका आत्मविश्वास एवं मनोबल बढ़ाने की आवश्यकता व्यक्त कर रही है।

(ये लेखक के विचार हैं)

नियम को तुरंत बदलने की जरूरत

ओलिंपिक्स में मेडल जीतना खेल जगत की सबसे बड़ी उपलब्धि होता है। ऐसे में जो खिलाड़ी पदक जीतते हैं, उन्हें स्वाभाविक रूप से खेल रत्न पुरस्कार मिलने चाहिए। इसके लिए एथलीट खुद अर्जी दें, इस नियम को तुरंत बदलने की जरूरत है।

ऐसे नियम अतार्किक हैं, जिनकी वजह से देश का नाम रोशन करने वाली शख्सियतों से उनका सम्मान छिने और वे आहत महसूस करें। वैसे भी सम्मान पाने के लिए खेल प्रतिभाओं के खुद आवेदन करने की शर्त अजीबोगरीब है। इसी शर्त के कारण ओलिंपिक खेलों में अप्रतिम प्रदर्शन करने वाली निशानेबाज मनु भाकर इस वर्ष खेल रत्न पुरस्कार पाने से वंचित हो गई हैं। भाकर का कहना है कि शर्त के मुताबिक उन्होंने पुरस्कार के लिए पोर्टल पर जाकर आवेदन किया था। लेकिन संभवतः किसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण उनकी अर्जी अधिकारियों तक नहीं पहुंच पाई। इस तरह जिस साल उन्होंने ओलिंपिक्स में दो पदक जीत कर ऐसा करने वाली पहली भारतीय बनीं, उन्हें इस पुरस्कार से वंचित होना पड़ा है।

इस पर मनु के असंतोष को आसानी से समझा जा सकता है। उनके पिता ने एक इंटरव्यू में मनु की उदास प्रतिक्रिया की जानकारी दी। उनके पिता ने बताया- उसने मुझसे कहा कि मुझे ओलंपिक्स जाकर देश के लिए पदक जीतने ही नहीं चाहिए थे। असल में मुझे एथलीट ही नहीं बनना चाहिए था।' जब नाम जारी हुए, तब मनु को पता चला कि इस वर्ष खेल रत्न पुरस्कारों के लिए जिन 12 खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया है, उनमें उनका नाम नहीं है। जबकि 2021 में टोक्यो ओलंपिक्स के बाद वहां पदक जीतने वाले सभी सात खिलाड़ियों को खेल रत्न से सम्मानित किया गया था। ओलिंपिक्स में मेडल जीतना खेल जगत की सबसे बड़ी उपलब्धि होता है।

जहां मुकाबला सचमुच वैश्विक स्तर का हो, वहां कामयाब होना आसान नहीं होता। ऐसे में जो खिलाड़ी पदक जीतते हैं, उन्हें स्वाभाविक रूप से खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना जाना चाहिए। इसके लिए एथलीट खुद अर्जी दें, इस नियम को तुरंत बदले जाने की जरूरत है। मनु भाकर की उपलब्धि कितनी बड़ी है, क्या इसे उन्हें खुद बताना चाहिए? भारत में दिक्कत यह है कि ओलंपिक्स की सफलता देश को सिर्फ एक-दो दिन याद रहती है। ओलंपिक्स जैसे मौकों पर उपलब्धियों के अभाव के लिए देश की यह संस्कृति कम जिम्मेदार नहीं है। बहरहाल, अब सूरत बदले जाने की जरूरत है।

(ये लेखक के विचार हैं)

महक सेनीटेशन

आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916
100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना

नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
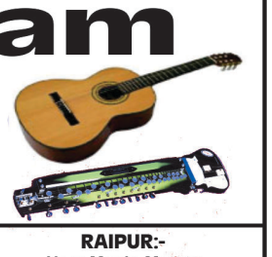
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

बुजुर्ग महिला का बनाया गया आयुष्मान कार्ड

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत लगातार घर घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को पात्र जरूरतमंदों तक पहुंचाना है।कलेक्टर व निगम प्रशासक ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश एवं नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में घर-घर आयुष्मान कार्ड शिविर आयोजन को प्रभावी बनाने के लिए दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन व मितानिनों की टीम सहित अन्य कर्मचारियों की टीम गठित की गई है। इसका उद्देश्य कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं से दूर न रहे।बुजुर्ग एवं असमर्थ लोगों को उनके घर जाकर योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए गए हैं। घर घर पहुंचकर 15 दिन के भीतर बुजुर्ग एवं असमर्थ 70 वर्ष के ऊपर आयु के 435 बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया है। साथ ही अन्य 909 लोगो का भी आयुष्मान कार्ड बनाया गया। वार्ड क्रमांक 38 त्रिवेणी उइके 90 साल व सुखबति 85 साल की बुजुर्ग महिला के घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाया गया। शिविर में सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा रही है।निगमायुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा संबंधित विभाग द्वारा बुजुर्ग एवं असमर्थ लोगों को उनके घर जाकर योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना से हरीप्रसाद को मिला अपने सपनों का आशियाना

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना की मदद से लाखों लोगों को पक्के मकान मिल रहे हैं। सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना कई गरीब परिवारों के लिए एक वरदान साबित हुई है। एक ऐसा ही परिवार है हितग्राही हरीप्रसाद साहू का। दुर्ग जिले के ग्राम पंचायत पुरदा के निवासी हरीप्रसाद साहू पिता श्री हृदय राम साहू ग्राम का परिवार आर्थिक स्थिती ठीक नहीं होने के कारण पक्का मकान बनाने में असमर्थ था। उनका घर झोपडीनुमा कच्चा दीवार, खपरैल वाला था। हरीप्रसाद बताते है कच्चे घर में बरसात के दिनों में रहना दुखद था। कच्चा मकान होने के कारण बारिश का पानी घर में भर जाता था, पूरी रात जाग कर गुजारनी पड़ती थी। पक्का घर बनाने का मेरा सपना था, लेकिन यह सपना कैसे पूरा होगा मै नहीं जानता था। तब मुझे ग्राम पंचायत से शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रा.) के बारे में पता चला। योजना अंतर्गत प्रदाय की गई राशि से मेरा पक्का घर बनकर तैयार हो गया है। मैं और मेरा पूरा परिवार आज प्रधानमंत्री योजना अंतर्गत निर्मित मकान में सुखपूर्वक निवास कर रहे है। अब टपकती छत की जनता नहीं है, न ही बरसात के दिनों में हमें जागना पड़ता है। उन्होंने कहा मैं इस योजना के लिए शासन का आभारी हूँ।

भिलाई के दिव्यांग बच्चों को फ्री में मिलेगी फिजियोथेरपी, सेवा फाउंडेशन ने बढ़ाया हाथ

बीएसपी, ओए और सेवा फाउंडेशन के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर के दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क फिजियो थेरिपी की सुविधा मिलेगी। भिलाई स्टील प्लांट व ऑफिसर्स एसोसिएशन ने इसकी पहल पर सेवा फाउंडेशन ने इसके लिए हाथ बढ़ाया है। भिलाई व दुर्ग के साथ ही आसपास के क्षेत्रों के दिव्यांगों को भी इसका लाभ मिलेगा। भिलाई इस्पात संयंत्र, बीएसपी-ऑफिसर्स एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट और स्पोर्ट्स, एजुकेशन वेर्सेटाइल एक्टिविटीज फाउंडेशन के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। एमओए कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने की।

इस मौके पर बीएसपी की ओर से मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता, बीएसपी-ऑफिसर्स एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से चेयरमैन और अध्यक्ष एनके बंछोर एवं सेवा फाउंडेशन की ओर से अध्यक्ष एसके जैन ने इस त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस पहल के तहत भिलाई टाउनशिप के सेक्टर 10 में स्थित ओल्ड मैंटेनेंस ऑफिस में फिजियोथेरेपी सेंटर स्वामी विवेकानंद जन सेवा केंद्र को विकसित किया जाएगा, जहां लाभार्थी दिव्यांग बच्चों को मुफ्त फिजियोथेरेपी प्रदान की जाएगी। फिजियोथेरेपी का लाभ तंत्रिका तंत्र, हड्डियों, जोड़ों, सहित मस्कुलर डिस्ट्रोफी, सेरेब्रल प्लासी जैसे विकारों से पीड़ित दिव्यांग बच्चों को मिलेगा। पवन कुमार ने इस नेक पहल के माध्यम से बच्चों की सहायता करने हेतु बीएसपी के साथ सहयोग करने के लिए सेवा फाउंडेशन को बधाई दी और कहा कि फिजियोथेरेपी सेंटर से भिलाई में विशेषकर दिव्यांग बच्चों के लिए चिकित्सा सुविधाओं में काफी वृद्धि होगी व उन्हें न्यूरोलोजिकल तथा अन्य मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं से निपटने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में यह रहे उपस्थित

बीएसपी कि ओर से कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक (एईडी-एचआर सचिवालय) राजीव कुमार, सहायक महाप्रबंधक (एईडी-एचआर सचिवालय) केके साहू, वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर) एस के कामड़े, उप प्रबंधक (सीएसआर) केके वर्मा उपस्थित थे। साथ ही बीएसपी-ऑफिसर्स एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट से महासचिव (ओए-बीएसपी) परविंदर सिंह, कोषाध्यक्ष (ओए-बीएसपी) अंकुर मिश्रा, उपाध्यक्ष तुषार सिंह, जोनल प्रतिनिधि अब्दुल शरीफ वीरेंद्र सिंह, श्री सतीश मित्तल उपस्थित थे। सेवा फाउंडेशन से कार्यकारी सदस्य और पूर्व ईडी (सेल) एसबी जगदाले, कोषाध्यक्ष (सेवा फाउंडेशन) संजीव नैयर, कार्यकारी सदस्य एमवीबी रेड्डी, पी अजय बाबू तथा एन कुजूर उपस्थित रहे।

सामाजिक जिम्मेदारी के तहत कई कार्य

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र अपने परिचालन क्षेत्रों में और उसके आसपास के समुदाय के प्रति अपनी संगठनात्मक सामाजिक जिम्मेदारी के तहत कई जन कल्याणकारी गतिविधियां संचालित करता है, जिनमें भिलाई इस्पात कल्याण चिकित्सालय, जेएलएन अस्पताल और अनुसंधान केंद्र में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) कार्यक्रम, गांवों में चिकित्सा शिविर, गर्भाशय के कैंसर पर मिशन लक्ष्मी स्त्री रोग संबंधी स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, आर्थिक या सामाजिक रूप से पिछड़े निवासियों के लिए टीबी उन्मूलन कार्यक्रम आदि शामिल हैं। इसी प्रकार सेवा (स्पोर्ट्स, एजुकेशन × वेर्सेटाइल एक्टिविटीज) फाउंडेशन का गठन 2018 में स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड (सेल), भिलाई स्टील प्लांट से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के एक समूह के द्वारा किया गया था। यह गैर-लाभकारी स्वैच्छिक सामाजिक संगठन भिलाई और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल, शिक्षा, कौशल विकास और धर्मार्थ गतिविधियों के क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करता है।

शुरुआती चरण में 50 बच्चों का चयन

कार्यक्रम के प्रारंभ में शिवराजन नायर ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक चरण में 50 लाभार्थी बच्चों को चिह्नित किया गया है, जिसे इस पहल की प्रगति के साथ और बढ़ाया जाएगा, वहीं इस योजना पर अपने वक्तव्य में एनके बंछोर ने कहा कि चूंकि भिलाई टाउनशिप में विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए समर्पित फिजियोथेरेपी केंद्रों की कमी थी, अतः बीएसपी-ऑफिसर्स एसोसिएशन इस पहल के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय सहायता सहित हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

बीएसपी द्वारा नवीनीकृत इस्पात क्लब सेक्टर 7 का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा नवीनीकृत इस्पात क्लब सेक्टर 7 का उद्घाटन, 09 जनवरी 2025 को कार्यपालक निदेशक पवन कुमार एवं मुख्य महाप्रबन्धक उत्पल दत्ता द्वारा किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र, इस्पात उत्पादन के साथ साथ अपने कर्मचारियों की सुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखता है। इस्पात नगरी के सौंदर्यीकरण के लिए इन दिनों कई परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। इन परियोजनाओं के तहत, सड़कों की मरम्मत एवं चैकों के जीर्णोद्धार सहित पुराने इस्पात क्लबों के रेनोवेशन का कार्य भी किया जा रहा है। इस्पात क्लबों के रेनोवेशन के कार्य की शुरुआत इस्पात क्लब सेक्टर 7 के नवीनीकरण के साथ किया गया।

इस अवसर पर महाप्रबन्धक विजय कुमार शर्मा, महाप्रबन्धक विष्णु के पाठक, ऑफिसर्स एसोशियेशन के अध्यक्ष एवं सेफी के चेयरमैन एन के बंछोर, महासचिव परविंदर सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त बीएमएस यूनियन के प्रतिनिधि चिन्ना के सोलू, सहायक महाप्रबन्धक एस के झा, उप प्रबन्धक सुखदेव सोनवानी सहित बीएसपी के अन्य विभागों के महाप्रबंधकगण और अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने समय पर कार्य को पूरा करने के लिए सभी सम्बंधित विभागों की सराहना की और सभी को नवीनीकृत इस्पात क्लब को सौपें जाने की बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रबंधन बीएसपी उत्पादन को बढ़ाने की चर्चा के साथ-साथ अपने कर्मचारियों के हित और सुख- सुविधाओ के बारे में भी सोचती है। उन्होंने कहा कि संयंत्र के बाहर कर्मचारियों की समाजिक जिम्मेदारी के बारे में चर्चा करते हुए नवीनीकृत इस्पात क्लब की आवश्यकता और उसके उपयोग पर प्रकाश डाला। मुख्य महाप्रबन्धक उत्पल दत्ता सहित विशेष अतिथियों ने भी सभी को अपने आशीर्वचन के साथ नवीनीकृत इस्पात क्लब के लिए शुभकामनायें और बधाई दी। उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा नवीनीकृत के अंतर्गत इस्पात क्लब सेक्टर 7 में, बोरवेल करवाया, जिससे इस्पात क्लब चैबीसों घंटे पानी की सुविधा उपलब्ध होगी।

अटैच बाथरूम के साथ दो नए कमरों का निर्माण किया गया।इस्पात कल्ब का आंतरिक और बाह्य रूप से पूर्ण नवीनीकरण किया गया। नया स्टेज बनाया गया, बाउंड्रीवाल को रिपेयर कराया गया। इस्पात क्लब के कैम्पस के अंदर के रोड की रेकार्पेटिंग की गई, फ्लावर बेड बनाया गया और एक वॉलीबॉल कोर्ट भी बनाया गया है।

ठंड को देखते हुए प्रमुख चौंक चैराहों पर निगम ने की अलाव की व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बड़ते हुए ठंड को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई के सभी प्रमुख चौंक चौराहो पर प्रातः कालीन एवं संध्या कालीन अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। इससे स्थानीय निवासियो को ठंड से राहत मिल रही है। विशेष करके रिक्शा, आटो, सब्जी बेचने वाले एवं चलते हुए राहगीर हाथ सेक करके ठंड से राहत पा रहे है।

शासन के आदेश के परिपालन में आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार गदा चौंक, सुपेला चौंक, पावर हाउस सब्जी मंडी, सुपेला सब्जी मंडी, लक्ष्मी मार्केट, अण्डा चौंक, अवंती बाई चैंक, विजय टाकिज फल मंडी, जलेबी चैंक आदि नगर पालिक निगम भिलाई के सभी जोन में अलाव की व्यवस्था की गई है। झिल्ली पन्नी बिनने वाली फागनी बाई ने कहा कि सुबह-सुबह हाथ सेक लेते है, तो बहुत अच्छा लगता है, नहीं तो हाथ ठंड से ठिठूर जाता है। निगम द्वारा बहुत ही अच्छा व्यवस्था किया जा रहा है, जो हम जैसे लोगो का भी सुध लेता है।

छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो की बालक टीम तैयार, बंगाल जाएंगे खिलाड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी साइकिल पोलो क्लब के अध्यक्ष परविंदर सिंह एवं छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के उपाध्यक्ष प्रमोद सिंह ने एक संयुक्त विज्ञप्ति में बताया कि छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के मुख्य संरक्षक तथा छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष विजय बघेल सांसद दुर्ग ने रानाघाट पश्चिम बंगाल में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय सायकल पोलो चैंपियनशिप में भाग लेने वाली छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो दल की घोषणा की।

इस अवसर पर नरेंद्र बंछोर, सुधीर बंसल उपाध्यक्ष एवं प्राचार्य वंदना पांडे विशेष रूप से उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के अध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव एवं सचिव प्रदीप कान्हे ने बताया कि रानाघाट पश्चिम बंगाल में 39वीं सब जूनियर बालक 43वीं जूनियर बालक 45वीं सीनियर पुरुष तथा 18वीं पुरुष फेडरेशन कप राष्ट्रीय साइकिल पोलो चैंपियनशिप 2024-25 का आयोजन दिनांक 11 से 15 जनवरी 2025 तक किया जा रहा है, जिसमें भारतीय वायु सेवा, भारतीय थल सेना तथा टेरिटोरियल आर्मी के अतिरिक्त 22 राज्यों के दल भाग लेंगे। सब जूनियर बालक वर्ग में विगत 10 बार की राष्ट्रीय विजेता छत्तीसगढ़ पुनः अपनी दावेदारी प्रस्तुत करेगी।

सांसद विजय बघेल ने खिलाड़ियों को संबोधित कर उनकी प्रशंसा की एवं कहा कि आप लोग देश-विदेश में राज्य का गौरव बढ़ाते हैं। आपकी उपलब्धियां प्रशंसनीय हैं । इस अवसर पर उपस्थित रमेश श्रीवास्तव नरेंद्र मंदसौर परविंदर सिंह प्रदीप गाने प्रमोद सिंह विनायक चन्नावर सुधीर बंसल वंदना पांडे कल्पना स्वामी मुख्य प्रशिक्षक देव प्रकाश वर्मा शशांक देशमुख एवं तोषेन्द्र वर्मा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने वाला छत्तीसगढ़ दल इस प्रकार हैः- देव प्रकाश वर्मा (मुख्य प्रशिक्षक), प्रशिक्षकः 1 विनायक राव चन्नावार , शशांक देशमुख, प्रदीप कान्हे , मैनेजर - धर्मेश निर्मलकर

खिलाड़ी : सब जूनियर बालक- सौरभ दास मानिकपुरी, भावेश साहू, सन्नी कुमार, भरत साहू , सौरभ सिन्हा,भावेश निर्मलकर, लेखराम साहू, तेजेश्वर देशमुख

जूनियर बालकःचंद्रशेखर साहू, करन साह , कृष्णा साह, शुभम यादव, पंकज सिन्हा, प्रिंस मेहता, चेतन लाल साहू, प्रवीण कुमार यादव

सीनियर पुरुषः शैलेंद्र कुमार, विकास कुमार, रोहन तांडी, माधव कोरी , चंद्रशेखर साहू, करन साह , राहुल निर्मलकर, पीयूष साहू आदि है।

युवोदय किशोरी स्वयं सेवकों को मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य के संबंध दी गई जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार एवं सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम को बेहतर तरीके से क्रियान्वित करने के उद्देश्य से युवोदय वॉलंटियर सदस्यों की एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन विगत दिवस मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय के सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. अर्चना चौहान आरसीएच नोडल एवं यामिनी लहरे के द्वारा इस कार्यशाला में मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में गर्भावस्था के दौरान आहार गर्भवती महिलाओं के लिए पोषणयुक्त आहार की जानकारी दी गई। प्रसव पश्चात देखभाल प्रसव के बाद महिलाओं और नवजात शिशु की देखभाल के तरीके बताये गये। हाईरिस्क गर्भावस्था एवं खतरे के लक्षण जोखिमपूर्ण गर्भावस्था की पहचान और उससे बचाव एनीमिया की रोकथाम और उपचार के उपाय बताये। परिवार नियोजन परामर्श परिवार नियोजन से जुड़ी जानकारी और जागरूकता। टीकाकरण नवजात और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण की महत्ता। स्तनपान नवजात के लिए स्तनपान का महत्व और सही तरीके। नवजात शिशु की देखभाल एवं खतरे के लक्षण नवजात शिशु की स्वास्थ्य देखभाल और संभावित जोखिम। मासिक धर्म स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वच्छता महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए मासिक धर्म स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता की जानकारी दी गई।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवोदय वॉलंटियर्स को मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में ज्ञान प्रदान करना और उन्हें सक्षम बनाना है ताकि वे समुदाय में जागरूकता फैलाने और इन कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में योगदान दे सकें। इस आयोजन में मुख्य रूप से युवोदय जिला समन्वयक शशांक शर्मा, सनसाइन हायर सेकेंडरी स्कूल एवं आदर्श कन्या विद्यालय से टीचर एवं छात्राएं एवं अलग . अलग महाविद्यालय के युवोदय बालिका स्वयंसेवकों की टीम उपस्थित रही।

कलेक्टर ने लिया तैयारियों का जायजा

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज नगपुरा पहुंच कर कार्यक्रम स्थल में तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कार्यक्रम हेतु नियुक्त सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं अन्य अधिकारियों को निर्धारित स्थानों पर समय पूर्व उपस्थित होने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय पूर्व कर लेने के निर्देशित किया। कलेक्टर चौधरी ने विश्राम गृह नगपुरा, हेलीपैड स्थल और पार्श्वनाथ मंदिर का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर एडीएम अरविन्द एक्का, जिला पंचायत सीईओ बी.के. दुबे, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मेट्रो
सूट स्पेशलिस्ट टेलर्स
शॉप नं. 271, सी-मार्केटसेक्टर-6, भिलाई
मो. : 9993982019 . 9424106199

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

एचएमपीवी को लेकर आवश्यक सुझाव व दिशा निर्देश तैयार किए जाने तकनीकी समिति का गठन

रायपुर। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संबंध में सभी राज्यों को जागरूकता हेतु निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण के संबंध में वर्तमान / अद्यतन स्थिति पर सतत् निगरानी बनाए रखने हेतु एक तकनीकी समिति का गठन किया गया है।

एचएमपीवी के संक्रमण के रोकथाम, बचाव, जागरूकता एवं आगामी कार्ययोजना के संबंध में आवश्यक सुझाव एवं दिशा निर्देश तैयार किए जाने हेतु इस तकनीकी समिति का गठन किया गया है। इस समिति में संचालक, महामारी नियंत्रण डॉ.एस.के. पामभोई अध्यक्ष के रूप में हैं। इनके साथ सदस्य के रूप में उपसंचालक डॉ. खेमराज सोनवानी, उपसंचालक डॉ. धर्मेन्द्र गहवई, राज्य सलाहकार आईएसडीपी श्रीमती आकांक्षा राणा तथा राज्य सलाहकार आईएसडीपी सुश्री चयनिका नाग शामिल हैं। यह तकनीकी समिति राज्य में एचएमपीवी के संबंध में समय-समय पर अपना प्रतिवेदन अभिमत स्वास्थ्य विभाग को प्रस्तुत करेगी।

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 12 से 14 जनवरी तक, युवा दिखाएंगे 13 विधाओं में अपनी प्रतिभा

रायपुर। राज्य के युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, सामुदायिक सहभागिता में बढ़ोत्तरी और उन्हें राज्य की कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में जोड़ने के उद्देश्य से राजधानी रायपुर में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 12 से 14 जनवरी तक किया जाएगा।

युवा महोत्सव में जिला और ब्लॉक स्तर पर हुए युवा उत्सव के विजेताओं को इस राज्य स्तरीय आयोजन में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इस महोत्सव में 13 प्रकार की विधाओं से संबंधित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव के विजेताओं को नगद पुरस्कार दिए जाएंगे। युवा महोत्सव में सांस्कृतिक विधा में सामूहिक लोक नृत्य, सामूहिक लोक गीत, व्यक्तिगत लोक नृत्य, व्यक्तिगत लोक गीत, लाईफ स्किल विधा में कहानी लेखन, चित्रकला, तात्कालिक भाषण, कविता, युवा कृति विधा में विज्ञान मेला, हस्तशिल्प, टेक्सटाईल, कृषि उत्पाद, अन्य विधा में रॉकबैंड आदि प्रतियोगिताएं होंगी।

हज-2025 के लिए स्टेट हज इंस्पेक्टर के आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद असलम खान ने बताया कि, हज कमेटी ऑफ इंडिया मुम्बई के सर्कुलर 24 से प्राप्त सूचना अनुसार हज 2025 के लिए जाने वाले हज यात्रियों के सहायतार्थ, स्टेट हज इंस्पेक्टर (खादिमुल हुज्जाज) के ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ाया जाकर अब दिनांक 10/01/2025 निर्धारित किया गया है। स्टेट हज इंस्पेक्टर हेतु निर्धारित अहर्ताए व नियमावली का सम्पूर्ण विवरण हज कमेटी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

उन्होने बताया कि, हज कमेटी ऑफइंडिया मुम्बई के सर्कुलर 23 से प्राप्त सूचना अनुसार हज 2025 हेतु हज प्रशिक्षकों के लिये ऑनलाइन कंप्युटर बेस्ड टेस्ट की तैय्यारी विषयक सिलेबस एवं अन्य हज लिटरेचर, हज कमेटी ऑफइंडिया मुम्बई के सर्कुलर 23 में उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के दूरभाष क्रमांक 0771-4266646 पर संपर्क किया जा सकता है।

वक्फबोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज को मिला कैबिनेट मंत्री का दर्जा

रायपुर। राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्रदान किया है। सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के तहत यह दर्जा केवल शिष्टाचार के लिए दिया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। डॉ. सलीम राज ने कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, भाजपा के प्रदेश नेतृत्व और शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास करूंगा। आप सभी के समर्थन और विश्वास के लिए मैं सदैव कृतज्ञ रहूंगा। आपकी प्रेरणा और मार्गदर्शन से हम छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

बाहरी व्यक्तियों को संबंधित थाने में देना होगा अपना थम्ब इम्प्रेसन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। कलेक्टर दीपक सोनी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल की उपस्थिति में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष मे मादक द्रव्यों के अवैध भण्डारण एवं बिक्री पर रोकथाम से सम्बंधित जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अपराधों एवं अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री के रोकथाम हेतु बाहरी व्यक्तियों जैसे फेरीवाले एवं जड़ी बूटी बेचने वाले को सम्बंधित थाने मे अपना थम्ब इम्प्रेसन देने तथा अवैध रुप से संचलित ढाबों एवं उनके द्वारा अतिक्रमण की जाँच करने सम्बंधितों को निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री सोनी ने कहा कि नेशनल हाइवे एवं स्टेट हाई वे किनारे बिना अनुमति के संचालित, अवैध शारब बिक्री एवं शासकीय जमीन पर अतिक्रमण करने वाले ढाबों की जाँच के लिए राजस्व, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम गठित करें और सूची तैयार करें। बिना अनुमति के ढाबा संचालन नहीं होने देना है। उन्होंने अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए हॉट- स्पॉट चिन्हित करते हुए उन क्षेत्रों मे विशेष कार्यवाही अभियान चलाने आबकारी विभाग के अधिकारियो को दिए। उन्होने सूचना तंत्र मजबूत करने मैदानी अमलों को सक्रिय करने के लिए कोटवार, पटेल, मितानिन ट्रेनर, भारतमाता वाहिनी के सदस्यों को सक्रिय करने कहा। इसके साथ ही नशे के खिलाफ जनजागरूकता कार्यक्रम मे सामाजिक संगठनों एवं सिविल सोसाइटी की सहभागिता सुनिश्चित कराने कहा।

पुलिस अधीक्षक श्री अग्रवाल ने सभी ढाबों एवं उनके पार्किंग एरिया मे सीसीटीवी कैमरा लगाने ढाबा संचालकों को निर्देशित करने कहा ताकि किसी घटना से सम्बंधित साक्ष्य आसानी से प्राप्त हो सके और अपराधी की गिरफ़्तारी हो सके। उन्होंने कहा कि अवैध शराब फैक्ट्री पर कार्यवाही की जा रही है तथा दोषियों की सम्पति की जब्त करने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने शराब सेवन कर वाहन चलाने वालों के लाइसेंस निरस्त करने परिवहन विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा। बैठक मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह, सभी एसडीएम एवं सम्बंधित विभाग के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

प्रेमा व कमलेश्वरी के परिजनों को मिली 4-4 लाख की सहायता राशि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसके अनुसार आपदा, दुर्घटना इत्यादि प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई की जा रही है। ऐसे प्रकरणों को आरबीसी 6-4 के तहत प्रक्रियाओं को जल्द पूर्ण किया जा रहा है और समय सीमा के पूर्व ही मुआवजा राशि दी जा रही है। ऐसे प्रकरणों का पर आरबीसी 6-4 के तहत सहायता राशि प्रदान की गई है। सिलतरा निवासी प्रेमा साहू की आग में जलने और आंरग के ग्राम गुल्लू निवासी कमलेश्वरी पटेल तालाब में डूबने से मौत हो गई थी। इनका आवेदन जिला कार्यालय के राजस्व शाखा में 6 जनवरी को पहुंचा और 7 जनवरी को प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इनके परिजनों को कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर आरबीसी 6-4 के तहत 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

एक माता-पिता से जन्म लेने बाद तृतीय लिंग की संतान से भेदभाव क्यों- विद्या राजपूत

महंत कालेज में तृतीय लिंग के अधिकारों पर जागरूकता विषय पर संगोष्ठी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में इंटर क्वालिटी इंश्योरेंस सेल और इनफ्लुएंस इनोवेशन काउंसिल के संयुक्त तत्वाधान में तृतीय लिंग के अधिकारों की जागरूकता विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर काउंसिल की सदस्य विद्या राजपूत रवीना एवं देवनाथ शामिल हुए। वहीं आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी की विशेष उपस्थिति रही।

आयोजन में प्रमुखता से विषय पर बातचीत रखते हुए राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर काउंसिल की सदस्य विद्या राजपूत ने कहा कि ट्रांसजेंडर एक ही माता-पिता की संतान से जन्म लेते हैं तो उनके साथ भेदभाव क्यों किया जाता है। उनका कहना था कि ट्रांसजेंडर आज सभ्य समाज में एक अलग पहचान बनाकर आगे आ रहे हैं इसलिए जन्म देने वाले माता-पिता और समाज को स्वीकार्यता के साथ समझना होगा तभी यह अलगाव पन का भाव दूर हो पाएगा। इससे ट्रांसजेंडरों की स्थिति में भी काफी बदलाव आने की संभावना है। राष्ट्रीय स्तर पर और प्रादेशिक स्तर पर कानून में बदलाव से ट्रांसजेंडरों की स्थिति में काफी फर्क पड़ा है लेकिन समुदाय के बीच पनप रही मानसिकता के कारण अभी भी वैचारिक लड़ाई जारी है । वही कार्यक्रम में काउंसिल की सदस्य रवीना ने विस्तार से अपनी बातचीत रखी और यह बताया कि ट्रांसजेंडर निचले स्तर पर क्यों देखा जाता है। उनका कहना था कि आधुनिक दौर में विद्यार्थियों के बीच ट्रांसजेंडर को लेकर दृष्टिकोण में काफी बदलाव आया है लेकिन यह बदलाव समाज के अंदर भी जरूरी है।

उन्होंने प्राचीन काल में ट्रांसजेंडर के अलग-अलग नाम की चर्चा करते हुए महत्व को प्रतिपादित किया और बताया कि किस दौर में ट्रांसजेंडर की क्या संवेदनशीलता रही और उसके क्या मायने और फर्क पड़े। रामायण से लेकर महाभारत में उपयोगी नाम का विस्तार से परिचय रखते हुए सदस्य रवीना ने इस बात पर जोर दिया कि समाज को स्वीकारता रखनी होगी तभी तृतीय लिंग सामाजिक स्तर पर आगे आ पाएंगे। उन्होंने महाभारत में शिखंडी और अर्जुन की भूमिकाओं को दर्शाते हुए तृतीय लिंग के वैधानिकता को प्रतिपादित किया, उनके द्वारा गोस्वामी तुलसीदास की चौपाई के माध्यम से रामायण और रामचरितमानस के मार्मिक प्रसंगों को देखकर यह समझने की कोशिश की कि किस तरह से एक ट्रांसजेंडर समाज के अंदर बदलाव की स्थिति में खड़ा है।

उनका कहना था कि गया के संग्रहालय में आज भी तृतीय लिंग के कई चिन्ह मौजूद हैं जो जानकारी में सभी लोगों को आना चाहिए, उनके द्वारा वर्ष 2019 में बनाए गए उभय लिंगो अधिकार संरक्षण कानून पर विशेष बातचीत रखते हुए आए परिवर्तनों को विस्तार से जानकारी में रखा गया लेकिन इस बात से चिंतित हैं कि गुरु चेलाकी परंपरा में तृतीय लिंग के वर्ग के साथ अन्याय और शोषण हो रहा है जो उचित नहीं है। बदलाव तभी आएगा जब रोजगार में प्राथमिकता मिले उच्च शिक्षा में प्राथमिकता दी जाए परिवार का हिस्सा बनाया जाए तभी यह असहजता की भावना दूर हो पाएगी।

कार्यक्रम में देवनाथ ने ट्रांसजेंडर महिला एवं पुरुष के बारे में जानकारी रखी और बताया कि प्रशासनिक स्तर पर किस तरह से वर्गों को देखा जा रहा है बायोलॉजिकल तौर पर महिला एवं पुरुष किन्नर क्या व्यवस्थाएं हैं। आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने स्वागत उत्पादन दिया और बताया कि ट्रांसजेंडर की पौराणिक कथाओं में चर्चा रही है फिर भी समाज तृतीय लिंग के वर्ग एक अलग नजरिया से देखा है जो कि गलत है इसमें बदलाव आना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की शिक्षिका प्रोफेसर अर्चना के द्वारा किया गया इस आयोजन में सभी शिक्षक और शिक्षाएं भी उपस्थित रहे।

अग्र वैवाहिक परिचय महाकुंभ 11 व 12 जनवरी को, 15 राज्यों से 1200 युवक-युवती होंगे शामिल

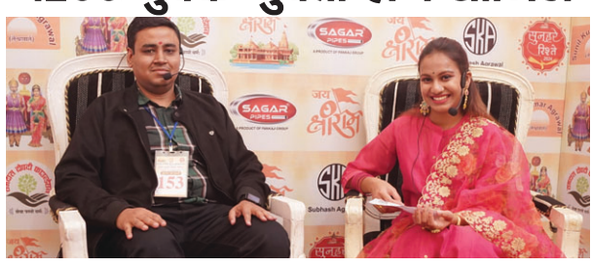

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा अग्रवाल मंच द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाला परिचय सम्मेलन का दो दिवसीय आयोजन 11 व 12 जनवरी को वी.आई.पी. रोड स्थित राम स्वरूप निरंजन लाल धर्मशाला में किया गया है जिसमे 15 राज्यों के 1200 युवक-युवतिओ का बायोडाटा मंच को प्राप्त हो चुका है। जिसमें प्रथम व द्वितीय श्रेणी अधिकारी, प्रोफेशनल, उधोगपति, व्यवसायी, डॉक्टर, इंजिनियर एवं आर्किटेक्ट शामिल है।

कार्यक्रम संयोजक द्वय कन्हैया अग्रवाल, हरि वल्लभ अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2011 से प्रारंभ हुआ परिचय सम्मेलन नित नयी उचाई को छु रहा है, मध्य प्रान्त में यह समाज का सबसे बडा वैवाहिक परिचय सम्मेलन है जिसे अग्र वैवाहिक परिचय कुंभ का नाम दिया गया है, जिसमे प्रत्याशियों का परिचय आधुनिक स्टूडियो में देश के मशहूर एंकर द्वारा किया जाता रहा है। इस वर्ष वागले की दुनिया की नायिका अंजू जाधव द्वारा स्टूडियो में प्रत्याशियों का परिचय लिया जावेगा जिसे विशालकाय एल.ई.डी. स्क्रीन पर तीन बड़े हॉल में अन्य प्रत्याशी व अभिवावकों के समक्ष प्रदर्शित किया जावेगा। मंच के अध्यक्ष कन्हैया गोयल, महामंत्री नितेश अग्रवाल, महिला अध्यक्ष संध्या अग्रवाल ने बताया की परिचय सम्मेलन के लिए अग्रवाल समाज में भारी उत्साह है, सम्मेलन में तीन सौ प्रत्याशियों का परिचय के साथ 1200 प्रत्याशियों की परिचय पुस्तिका का प्रकाशन इस अवसर पर किया जावेगा। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ सहित पंद्रह राज्यों से पहुच रहे प्रत्याशी व अभिवावको के लिए 150 कमरे व तीन हॉल की व्यवस्था की गयी है। समन्वय हेतु समाज के 25 बुजुर्गों की समिति बनायीं गयी है, प्रथम दिवस रात्रि में मोटिवेशनल स्पीकर निहारिका सिंघी कटक उड़ीसा व श्याम भजन विनय अग्रवाल, कृपारंजन शर्मा बरगढ़ एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत किया जावेगा। मंच की बैठक आयोजन की तैयारी हेतु मंच के प्रांतीय कार्यालय में आयोजित की गयी जिसमें प्रमुख रूप से निर्मल अग्रवाल,राजेश केडिया, सुरेश अग्रवाल, मानस अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, पवन अग्रवाल, मोहन गोयनका, संध्या अग्रवाल,अमिता सिंघानिया, वंदना अग्रवाल, सुनीता पोद्दार, दीप्ति अग्रवाल, शिवांगी अग्रवाल, प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीगः रायपुर में खेलेंगे दिग्गज क्रिकेटर्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आज की रात मजा हुस्न... सॉन्ग से हर जगह चर्चा में आईं एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया रायपुर आ रही हैं। इतना ही नहीं रायपुर के मैदान में फेमस क्रिकेटर क्रिस गेल, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, युवराज सिंह दिखेंगे। कई बॉलीवुड स्टार्स परफॉर्म करेंगे। ये सब कुछ होगा लीजेंड्स-90 क्रिकेट में। 6 से 18 फरवरी तक ये इंटरनेशनल क्रिकेट लीग रायपुर में होने जा रही है। इस दौरान फिल्मी सितारों की परफॉर्मेंस होगी, शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे। इसमें दुनिया के चर्चित क्रिकेटर्स होंगे और छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी भी अपना हुनर दिखाएंगे।

लीजेंड्स-90 नाम के इस क्रिकेट लीग को इससे पहले श्रीलंका में आयोजित किया गया था। लीग के सीओओ तरुणेश परिहार ने बताया कि इस बार छत्तीसगढ़ इसकी मेजबानी करेगा। इसके सभी मैच रायपुर में खेले जाएंगे। इस लीग के टॉप प्लेयर्स में सुरेश रैना, शिखर धवन, ड्वेन ब्रेवो, हरभजन सिंह, क्रिस गेल, युसुफपठान, कोरी एंडरसन, मोइन अली तथा तिलकरत्ने दिलशान हैं। ड्राफ्ट के साथ ही छत्तीसगढ़ वॉरियर्स की संभावित टीम भी घोषित कर दी गई है। इसमें सुरेश रैना, मार्टिन गुप्टिल, अंबाती रायडु, पवन नेगी, सिद्धार्थ कौल, गुरकिरत सिंह मान, ऋषि धवन, उन्मुक्त चंद, अभिमन्यु मियुन, कॉलिन डी, शेल्डन जैक्सन, केवन कूपर, विशाल कुश्वाहा(छत्तीसगढ़) और अभिषेक साकुजा।

इस लीग में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को भी मौका दिया जा रहा है। प्रदेश के अनुभवी खिलाड़ियों को टीम फ्रेंचाइज ने सी कैटेगरी रखा है। इसमें मुख्य रूप से विशाल कुश्वाहा, अमित मिश्रा, पुलिसकर्मी कलीम खान, पंकज राव, जतिन सक्सेना और मनोज सिंह शामिल हैं। 15 ओवर के इस टूर्नामेंट में सभी खिलाड़ियों को तीन ए, बी और सी कैटेगरी में बांटा गया है। जिसके आधार पर उन्हें मैच फीस दी जाएगी। ए कैटेगरी में सभी इंटरनेशनल खिलाड़ी शामिल हैं। जबकि बी कैटेगरी में घरेलू क्रिकेट खेल चुके खिलाड़ियों को जगह दी गई है। सी कैटेगरी में कम अनुभव वाले खिलाड़ी शामिल हैं।

लीजेंड्स 90 की 7 टीमें 15 ओवर का मैच ये क्रिकेट मैच 15 ओवर के होंगे। इसमें छत्तीसगढ़ वॉरियर्स, बीग बॉस, दुबई जाएंट, दिल्ली रॉयल्स, राजस्थान किंग, हरियाणा ग्लेडियेटर्स, गुजरात संप्रमी नाम की टीमें होंगी। लीग का ड्राफ्ट नवा रायपुर के एक रिजॉर्ट में हुआ। इसमें तय मैच फीस के हिसाब से टीम ओनर्स ने खिलाड़ियों को चुना। समारोह में मुख्य रुप से इंटरनेशनल क्रिकेट कमेंटेटर चारु शर्मा, बीग बॉस फेम शैफाली बग्गा शामिल रहीं।

पूर्णाहुति के साथ लिया बुराई छोड़ने का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर-नवापारा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में नवापारा राजिम के हरिहर विद्यालय प्रांगण 5 जनवरी से चल रहे 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। यज्ञ के अंतीम दिन पूर्णाहुति में सम्मिलित होने आसपास के श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

यज्ञ में शामिल श्रद्धालुओं ने पूर्णाहुति में देवदक्षिणा स्वरूप अपने जीवन की एक-एक बुराई को छोड़ने, जीवन में एक-एक अच्छे कार्य करने का संकल्प लिया। सैकड़ों लोगों ने नशा छोड़ने, पर्यावरण को बचाने, छोटे-छोटे बच्चों के मध्य निःशुल्क बाल संस्कार शाला चलाने का भी संकल्प लिया। शांतिकुंज से आए ऋषिपुत्रों एवं यज्ञ के टोली नाय परमेश्वर साहू ने प्रज्ञा गीत के ''होता है सारे विष्व का कल्याण यज्ञ से जल्दी प्रसन्न होते हैं भगवान यज्ञ से'' के माध्यम से यज्ञ के महत्व को बताया एवं पूर्णाहुति के पूर्व कहा कि केवल स्वाहा करने से यज्ञ पूर्ण नहीं होगा। हमें अपने जीवन में त्याग, परोपकार और सेवा को भी स्थान देना होगा, तभी यज्ञ पूर्ण होगा। हम सभी प्रेम, सद्भावना, सदविवेक, सदाचार को अपने जीवन में स्थान दें। गुरुदेव के साहित्य एवं सद्साहित्यों का स्वाध्याय करें। अच्छे सहित्यों के अध्ययन करते हुए घर परिवार एवं समाज को उत्कृष्ट विचारों के माध्यम से उपकृत करें। पूर्णाहुति के पश्चात और शांतिकुंज टोली व अतिथि विदाई में विदाई गीत पर लोग भाव विभोर हो गए। इस अवसर पर प्रमुख रुप से गायत्री परिवार छ.ग. की जोन समन्वयक श्रीमती आदर्ष वर्मा, एवं अपेक्स बैंक के पूर्व अध्यक्ष अषोक बजाज, गायत्री परिवार के जिला समन्वयक लच्छुराम निषाद उपस्थित रहें। महायज्ञ में दानदाताओं एवं यज्ञ के दौरान सुरक्षा, भोजन, पंजीयन, स्वास्थ्य व्यवस्था संभाल रहे परिजनों का मंगलतिलक कर मंत्र चादर से सम्मान किया गया।

यज्ञ संचालन समिति के अध्यक्ष आर.एस. चौरसिया, गायत्री शक्ति पीठ नवापारा के प्रमुख ट्रस्टी सुदर्षन वर्मा ने बताया कि चार दिवसीय इस महायज्ञ में सैकड़ों लोगों ने गुरुदिक्षा, पुंसवन, नामकरण, विद्यारंभ, अन्नप्राषन, यज्ञोपवित विवाह, जन्मदिवस, विवाह दिवस संस्कार भी करवाया गया। पूर्णाहुति के पष्चात महाभण्डारे का आयोजन किया गया। उन्होने महायज्ञ मे सहयोग हेतु स्थानीय प्रषासन, पुलिस प्रषासन, मीडियाकर्मियों, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारियों एवं प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रुप से सहयोग करने वाले सभी का विषेष रुप से आभार व्यक्त किया। आने वाले समय में इस प्रकार का आयोजन पुनः करने की भी बात कही।

कैमरे के सामने स्टाइलिश पोज देती नजर आईं जन्नत गर्ल सोनल चौहान

जन्नत गर्ल सोनल चौहान अपने फैशन स्टेटमेंट्स और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय बनी रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से मदहोश हो गए हैं।

एक्ट्रेस सोनल चौहान आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया हेंडल पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। लेटेस्ट शेयर की गई फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने हॉल्टर नेक लुक में बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है। अभिनेत्री अपने इस लुक में बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।

खुले बाल, लाइट मेकअप लुक और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस सोनल चौहान ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरती से निखारा है। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती हुई फैंस को इंप्रेस करती हुई नजर आ रही हैं। सोनल चौहान भले ही इन दिनों फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं। लेकिन इंस्टाग्राम पर वो काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच ट्रेंड करने लगता है।

आयशा खान ने बताया, कैसा है दिल को रफू कर ले में उनका किरदार

बिग बॉस 17 की पूर्व प्रतियोगी आयशा खान जल्द ही शो दिल को रफू कर ले में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने साझा किया कि शो में उनका किरदार जिंदगी से भरपूर और खुशमिजाज है। अभिनेत्री आयशा शो में रवि दुबे और सरगुन मेहता की दिल को रफू कर ले में निक्की का किरदार निभाती नजर आएंगी, जिसे रवि दुबे और सरगुन मेहता के बैनर ड्रीमियता ड्रामा ने बनाया है।

शो में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, लेखिका मीनाक्षी स्क्रिप्ट पढ़कर मुझे सुना रही थीं तो मैंने सुझाव दिया कि लड़की का नाम ख्वाहिश होना चाहिए क्योंकि उसके अंदर बहुत सारे सपने और बहुत सारी महत्वाकांक्षाएं हैं। लेकिन मीनाक्षी ने कहा, नहीं यह निक्की है, वह जो हमेशा अपने मन का काम करती है, वह काम को चुटकियों में करती है। सच वह पल मेरे साथ रहा और मुझे एहसास हुआ कि निक्की जिंदगी से भरपूर है। वह एक मस्तमौला, जीवंत और खुशमिजाज लड़की है।

अभिनेत्री ने बताया कि निक्की वैसी ही हैं जैसी स्क्रीन पर दिखती हैं। उन्होंने कहा, मेरा व्यक्तित्व बिल्कुल निक्की जैसा है। मैं बहुत सीधी-सादी हूं - चेहरे से, हमेशा खुश रहने वाली, मजेदार और चुलबुली लड़की हूं। लेकिन हां, निक्की की एनर्जी दूसरे स्तर पर है और मुझे नहीं लगता कि मैं इस मामले में उससे मेल खा सकती हूं। आयशा शो में करण वी ग्रोवर के साथ नजर आएंगी। उन्होंने करण को लेकर कहा कि वह ऑन और ऑफ कैमरा शूटिंग करके बहुत अच्छा समय बिता रही हैं।

अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि मैं ऐसे अभिनेताओं के साथ काम करके काफी कुछ सीख रही हूं। करण, चिराग, मीनाक्षी, स्वाति जी, कमल और निर्मल मैम को जब भी मैं परफॉर्म करते देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है और मैं हमेशा उनकी शूटिंग देखने के लिए उत्साहित रहती हूं। अभिनेत्री ने करण के बारे में कहा, वह एक शानदार अभिनेता और एक अद्भुत इंसान हैं। मुझे लगा कि वह बहुत गंभीर व्यक्ति होंगे, लेकिन वह बहुत मजेदार इंसान हैं। हमारे बीच बहुत अच्छी बॉन्डिंग है और मैं वास्तव में सभी को मिस करने वाली हूं। रवि और सरगुन के बारे में आयशा बोलीं,मैं सरगुन मैम के बारे में क्या कह सकती हूं? वह हमेशा एक प्रेरणा रही हैं। एक निर्माता, अभिनेत्री- आप जो भी नाम लें वह सब हैं। मैं उनको प्यार करने के साथ ही उनका बहुत सम्मान भी करती हूं। वह बहुत मेहनती हैं। जब भी सेट पर होती हैं, तो मैं सबसे खुश होती हूं। उन्हें देखकर मेरी आंखों में चमक आ जाती है। आयशा ने रवि के बारे में कहा, मैं उनकी प्रशंसक हूं और उन्होंने हमें भरपूर मनोरंजन दिया है। मुझे लगता है कि फिल्में हर कोई बना सकता है, लेकिन रचनात्मक दिमाग रखना और अपनी पूरी कोशिशें लगाना हर किसी के बस की बात नहीं है, लेकिन हां, रवि भैया के बस की बात है। वे दोनों ही अपने दर्शकों के सामने चीजों को पेश करने की कला जानते हैं।

कुमार सानू की एक्स गर्लफ्रेंड का खुलासा, डेटिंग का दावा कर बोलीं

लोकप्रिय गायक कुमार सानू की कथित एक्स-गर्लफ्रेंड और अदाकार कुनिका सदानंद ने हाल ही में सिंगर के साथ अपने रिलेशनशिप पर चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया है कि वे उनकी पत्नी की तरह थीं। अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने हाल ही में कुमार सानू के साथ अपनी डेटिंग लाइफ पर खुलकर बात की। उन्होंने इस दौरान कई हैरान करने वाले खुलासे किए हैं। अभिनेत्री ने दावा किया है कि 90 के दशक के लोकप्रिय गायक कुमार सानू को उन्होंने करीब पांच साल डेट किया। कुनिका ने खुलासा किया है कि दोनों के रिश्ते पर सिंगर की पत्नी रीता ने नाराजगी जाहिर की थी। कुमार सानू की एक्स वाइफ रीता ने कुनिका की कार तक चकनाचूर कर डाली थी। बता दें कि कुमार सानू और रीता का तलाक हो चुका है।

अभिनेत्री कुणिका सदानंद ने दावा किया कि उन्होंने 90 के दशक में गायक को डेट किया था। अभिनेत्री ने यह भी खुलासा किया कि गायक की तत्कालीन पत्नी को जब उनके रिलेशनशिप का पता चला तो उन्होंने इस पर नाराजगी जाहिर की थी। सिंगर की एक्स गर्लफ्रेंड ने हॉकी स्टिक से कुनिका की कार को तोड़ डाला। कुनिका सदानंद ने सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में यह चौंकाने वाला खुलासा किया है। कुमार सानू के साथ अपने रिलेशनशिप पर और डिटेल साझा करते हुए कुनिका ने बताया कि वे सिंगर से ऊटी में एक शूटिंग के दौरान मिली थीं। उस दौर में वे अभिनय की दुनिया में अपने पैर जमाने के लिए संघर्षरत थीं। तब गायक अपनी बहन और भतीजे के साथ हिल स्टेशन पर छुट्टियां मनाने आए थे। वहां मुलाकात के दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब आए।

कुनिका ने आगे कहा कि कुमार सानू उन दिनों निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ावों से गुजर रहे थे। पत्नी रीता के साथ उनके रिश्ते में तनाव चल रहा था। एक बार नशे में धुत होकर उन्होंने होटल की खिड़की से कूदने की कोशिश की थी। उन्होंने किसी तरह गायक को पकड़ लिया। इस घटना ने उन्हें एक-दूसरे के करीब ला दिया। अभिनेत्री का कहना है कि इस ट्रिप के बाद सानू अपनी पूर्व पत्नी रीता से अलग रहने लगे। कुनिका ने कहा कि पांच साल की डेटिंग में उनका और कुमार सानू का रिश्ता काफी मजबूत रहा।

कुमार सानू के साथ अपने रिलेशनशिप के बारे में कुनिका ने आगे कहा, 'मैं उनके लिए पत्नी की तरह थी। मैं उन्हें अपना पति मानती थी। एक्ट्रेस ने कहा कि ये वह ही थीं जिन्होंने कुमार सानू के करियर के शीर्ष पर उन्हें फिटनेस और फैशन का ख्याल रखने के लिए मोटिवेट किया। कुनिका ने बताया कि गायक की एक्स वाइफ रीता को जब अपने बच्चों के लिए मिलने वाली आर्थिक मदद में देरी हुई तो काफी नाराज हुईं। इसके बाद रीता ने एक बार गुस्से में आकर उनकी कार तोड़ डाली। कुनिका के मुताबिक, 'उनकी पत्नी मेरे घर के बाहर आकर चीखती थीं। उन्होंने मेरी कार को नुकसान पहुंचाया। मैंने उनकी स्थिति समझी। वे अपने बच्चों के लिए पैसे चाहती थीं। वे गलत नहीं थीं।' रिश्ते में काफी करीबियों के बावजूद कुमार सानू और कुनिका अलग हो गए। इसके बाद कुमार सानू ने सलोनी से शादी रचाई।

मुझे मरने की इजाजत है, डरने की नहीं, हिमेश की फिल्म बैडएस रवि कुमार का ट्रेलर रिलीज

गायक से अभिनेता बने हिमेश रेशमिया अनंत महादेवन की 2014 की पीरियड थ्रिलर द एक्सपोज से रवि कुमार की अपनी भूमिका को फिर से निभाने के लिए तैयार हैं, जो 1980 के दशक के बॉलीवुड फ्लेवर से भरपूर है। गायक और अभिनेता हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार का पहला ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में वह बड़े-बड़े डायलॉग बोलते हुए और एनिमल के रणबीर कपूर की झलक दिखाते हुए नजर आए। वीडियो में उन्होंने प्रभुदेवा के साथ अपने डांस मूव्स को भी दिखाया।

बैडएड रवि कुमार के ट्रेलर में हिमेश रेशमिया दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं। वह एक मिशन पर है, जिसे उन्हें हर हाल में पूरा करना है। वहीं इस बीच वह अपने कई दुश्मन बना लेते हैं, जिनसे उन्हें पूरी ताकत के साथ निपटना है। ट्रेलर में वह कहते हैं कि उन्हें मरने में इजाजत है, डरने की नहीं और उनसे पंगा लेना सेहत के लिए हानिकारिक है। इसके साथ ही ट्रेलर में जॉनी लीवर और संजय मिश्रा के कुछ कॉमेडी सींस भी दिखाए गए हैं। वहीं साथ ही हिमेश रेशमिया के कुछ दिल दहला देने वाले दृश्य भी दिखाई गए, जिसमें वे खूनी अंदाज में नजर आए।

2014 की द एक्पोज की रिलीज के लगभग एक दशक के अंतराल के बाद अभिनेता एक बार फिर रविकमार के किरदार में वापस आ गए हैं और अपने किरदार की विरासत को आगे ले जा रहे हैं। यह अभिनेता के इर्द-गिर्द है, यह 1980 के दशक के एक्शन मोड में है, जिसमें दमदार संवाद हैं और गोलियों की बौछार है। हिमेश इस फिल्म में निर्माता, संगीत निर्देशक और अभिनेता तो हैं ही, उन्होंने फिल्म की कहानी और स्क्रीन प्ले भी लिखा है और साथ ही बैकग्राउंड स्कोर भी किया है।

प्रभु देवा को फिल्म में नकारात्मक भूमिका निभाने के लिए चुना गया है और फिल्म के एक्शन को वास्तविक अनुभव देने के लिए उन्होंने सुनील रोड्रिग्स (जवान और सिंघम अगेन), स्टंट सैम (तंगलान) और डेनी जॉर्डन कजुर्सिजेव (मनी हीस्ट) जैसे नामों को चुना है। फिल्म का निर्देशन कीथ गोम्स ने किया है और इसमें कीर्ति कुल्हारी, संजय जॉनी लीवर , मनीष वाधवा, अनिल जॉर्ज, राजेश शर्मा, प्रशांत नारायण, सौरभ सचदेवा, सनी लियोन जैसे नाम भी शामिल हैं और सिमोना को फिल्म में मधुबाला के रूप में पेश किया जा रहा है।

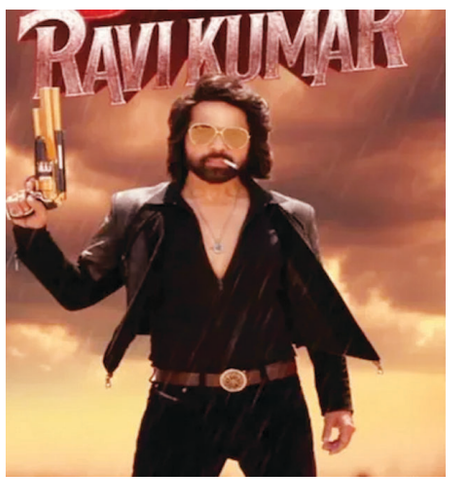

दोपहर को कुछ मिनट झपकी लेने से क्या उत्पादकता पर कोई असर पड़ता है?

दोपहर की झपकी को लेकर कई धारणाएं हैं, जिनमें से एक यह है कि यह हमारी प्रोडक्टिविटी यानी उत्पादकता को नुकसान पहुंचा सकती है। हालांकि, क्या वाकई ऐसा है? इस लेख में हम इसके पीछे की सच्चाई जानने का प्रयास करेंगे। वैज्ञानिक शोध और विशेषज्ञों के अनुसार, दोपहर के समय झपकी लेने का हमारे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

आइए जानते हैं कैसे। ऊर्जा बढ़ाने में है सहायक

दोपहर की छोटी सी झपकी लेने से हमारी ऊर्जा स्तर में सुधार होता है। जब हम लगातार काम करते रहते हैं तो हमारा शरीर थकान महसूस करने लगता है। ऐसे में 20-30 मिनट की नींद हमें तरोताजा कर सकती है और हमारी ऊर्जा को फिर से भर देती है। इससे हम अपने काम को अधिक ध्यानपूर्वक और उत्साह के साथ कर सकते हैं, जिससे उत्पादकता बढ़ती है न कि घटती।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

दोपहर की नींद हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होती है। यह तनाव कम करने में मदद करती है और मस्तिष्क को आराम देती है। जब हमारा दिमाग शांत होता है तो हम बेहतर निर्णय ले सकते हैं और समस्याओं का समाधान आसानी से ढूंढ सकते हैं। इसलिए दोपहर की नींद लेना मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक अच्छा उपाय हो सकता है, जो हमारी कार्यक्षमता को बढ़ाता ही नहीं बल्कि उसे स्थिर भी रखता है।

याददाश्त सुधारने में है प्रभावी

शोध बताते हैं कि दोपहर को झपकी लेने से याददाश्त बेहतर होती है। जब हम सोते हैं तो हमारा मस्तिष्क नई जानकारी को प्रोसेस करता रहता है और उसे लंबे समय तक याद रखने लायक बनाता रहता है। इससे हमें नई चीजें सीखने में आसानी होती है। इसलिए अगर आप कुछ नया सीख रहे हों या किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हों तो थोड़ी देर सोना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है ।

रचनात्मकता बढ़ाने का है साधन

रचनात्मक कार्यों के लिए तरोताजा दिमाग जरूरी होता है। दोपहर की झपकी से मस्तिष्क को नई ऊर्जा मिलती है, जिससे रचनात्मक सोच विकसित होती है। जब हम किसी समस्या का हल नहीं ढूंढ पाते, तब थोड़ी देर सोकर उठने पर नए विचार आते हैं। इसलिए अगर आप अपनी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाना चाहते हैं तो दिन में थोड़ी देर आराम करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

19 की उम्र में कहर ढाती है इस एक्ट्रेस की लाडली बेटी, अब फिल्मों में बिखेरेंगी जलवे

सुहाना-अनन्या को देंगी टक्कर!

राशा टंडन कई फेमस सितारों के बच्चों ने फिल्मों की दुनिया में कदम रखने का फैसला लिया। इस लिस्ट में कई सुपरहिट फिल्में देने वाली अभिनेत्री की बेटी का नाम भी जुड़ने वाला है। जल्द ही उनकी फिल्म रिलीज होने वाली है। गौर करने वाली बात ये है कि वो अभी बस 19 साल की हैं। पर स्टाइल और फैशन से हर पार्टी-इवेंट में लाइमलाइट चुरा लेती हैं। तस्वीर में दिख रही बेहद सुंदर लड़की रवीना टंडन की बेटी हैं। उनका नाम राशा थडानी है और उम्र 19 साल। राशा की जल्द ही मूवी रिलीज होने वाली है। मूवी का नाम 'आजाद' है।

फिल्म 'आजाद' का डायरेक्शन अभिषेक कपूर ने किया है। यह एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म है। राशा के साथ मूवी में अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन भी नजर आएंगे। फिल्म का टाइटल सॉन्ग 'उई अम्मा' सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। एक्टिंग के साथ-साथ स्टाइल और फैशन की वजह से भी राशा चर्चा में रहती हैं। वो अक्सर इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती हैं, जिसपर जमकर लाइक आते हैं। राशा को 1 मिलियन से ज्यादा यूजर्स इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं। राशा ने अपनी स्कूलिंग धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से साल 2023 में पूरी की थी। अब वो भी अपनी मम्मी रवीना टंडन की तरह फिल्मों का दुनिया में काम करेंगी।

राशा और रवीना बहुत खास बोंड शेयर करती हैं। दोनों पूजा-पाठ और भक्ति में विश्वास रखती हैं। अक्सर राशा को रवीना के साथ अलग-अलग मंदिरों में देखा जाता है। एक्टिंग के अलावा राशा को फोटोग्राफी का भी इंटरेस्ट है। विश्व फोटोग्राफी दिवस पर राशा ने खुद बताया था कि उन्हें फोटोग्राफी करना बहुत पसंद है। फिल्म 'आजाद' की बात करें तो मूवी 17 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। फिल्म लगातार चर्चा में बनी हुई है। देखना होगा कि फैंस राशा और अमन की जोड़ी को कितना प्यार देते हैं।

सुबह खाली पेट भूलकर भी न खाएं ये 5 चीजें, नहीं तो पूरे दिन रहेंगे परेशान

नाश्ता करना बहुत जरूरी है। हमारा पूरा दिन सुबह के भोजन पर निर्भर करता है। तो आपको पता होना चाहिए कि सुबह क्या खाना चाहिए और क्या खाने से बचना चाहिए। सुबह के समय खाए गए गलत खान-पान से भी आपको कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए सही आहार लेना बहुत जरूरी है।

न्यूट्रिशन एक्सपर्ट के अनुसार सुबह के समय किन चीजों से परहेज करना चाहिए। उनका कहना है कि यदि आप इन खाद्य पदार्थों से परहेज नहीं करते हैं, तो आपके पाचन और एनर्जी लेवल पर असर पड़ सकता है।

सुबह के खाने में भूलकर भी न खाएं ये 5 चीजें!

खट्टे फल: खट्टे फल, विटामिन सी से भरपूर होने के बावजूद, आपके पेट की परत में जलन पैदा कर सकते हैं, जिससे सीने में जलन, एसिडिटी या अपच हो सकता है।

कॉफी: खाली पेट कॉफी पीने से तनाव हार्मोन बढ़ जाते हैं, जिससे आपको घबराहट और बेचैनी महसूस हो सकती है।

मीठा खाना: सुबह-सुबह मीठा खाना खाने से ब्लड शुगर लोवल बढ़ने का खतरा हो सकता है, मीठे खाद्य पदार्थ के सेवन से कम ऊर्जा और मूड में बदलाव हो सकता है।

पेस्ट्री: पेस्ट्री स्वादिष्ट होती है और बहुत से लोग इसे पसंद करते हैं, लेकिन यह ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि का कारण बन सकती है, जिससे आपको बाद में सुस्ती महसूस हो सकती है। इसके बजाय साबुत अनाज चुनें!

कोल्ड ड्रिंक या आइसक्रीम: कोल्ड ड्रिंक या आइसक्रीम आपके पाचन तंत्र को खराब कर सकती है और आपके चयापचय को धीमा कर सकती है, जो आपके दिन की शुरुआत करने का सबसे अच्छा तरीका नहीं है।

दही और स्पाइसी फूड : कुछ न्यूट्रिशन एक्सपर्ट के अनुसार जब आप खाली पेट दही का सेवन करने से यह पेट के अच्छे बैक्टीरिया को मार देता है, जिसकी वजह से कब्ज-एसिडिटी की समस्या हो सकती है। न्यूट्रिशनिस्ट खाली पेट ज्यादा मसालेदार खाना खाने से बचने की सलाह देते हैं। स्पाइसी फूड से दस्त व सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

सुबह की शुरुआत कैसे करें?

सुबह का नाश्ता सबसे महत्वपूर्ण भोजन है क्योंकि यह आपको पूरे दिन ऊर्जावान बनाए रखता है। कई लोगों को यह तय करना काफी उलझन भरा लगता है कि कौन सा नाश्ता सही है। ऐसे में आपको बता दें कि ऊर्जा और बेहतर पाचन के लिए अपनी सुबह की शुरुआत गर्म पानी, हर्बल चाय या दलिया या अंडे जैसे संतुलित नाश्ते से करें।।

न्यूट्रिशन एक्सपर्ट के अनुसार आदर्श नाश्ता ऐसा होना चाहिए जो पोषण से भरपूर हो और शरीर को जरूरी मात्रा में एनर्जी दें। इसलिए नाश्ते का चुनाव और संयोजन उस आहार से मिलने वाले पोषण के आधार पर करना फायदेमंद हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार सुबह के नाश्ते में प्रचलित कुछ विशेष आहार और उनसे मिलने वाले पोषक तत्व इस प्रकार हैं।

कार्बोहाइड्रेट: रोटी, पराठा, ब्राउन ब्रेड, ओट्स, या पोहा।

प्रोटीन: उबले अंडे, पनीर, मूंगफली, या स्प्राउट्स।

फाइबर और विटामिन: हरी सब्जियां, फल, या सूखे मेवे।

तरल पदार्थ: दूध, नारियल पानी, या हर्बल चाय

सूची के आधार पर लोग यदि अपना ब्रेकफास्ट पैटर्न डिजाइन करें तो उन्हे कई फायदे मिल सकते हैं।

नेत्रहीन बच्चों के भविष्य की बेहतरी के लिए प्रशासन का एक और उत्कृष्ट प्रयास

दृष्टिबाधित बच्चों के लिए उपलब्ध कराया गया एनी डिवाइस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्तमान समय में दिव्यांग छात्र छात्राओं को आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नये-नये तकनीक और उपकरणों का शिक्षा के क्षेत्र में समावेश किया जा रहा है। ताकि दिव्यांग बच्चों के शैक्षणिक विकास को एक नया दिशा दिया जा सके। और हम सभी जानते है कि ब्रेल लिपि के माध्यम से दृष्टिबाधित व्यक्ति पढ़ने लिखने में सामर्थ्य हासिल कर सकते है दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के गीदम विकासखंड अन्तर्गत जावंगा में स्थित आवासीय विद्यालय ''सक्षम'' का संचालन किया जा रहा है।

यह छत्तीसगढ़ का पहला ऐसा संस्थान हैं जहां दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। यहां वर्तमान में विभिन्न दिव्यांग श्रेणी के 94 बालिकाओं, एवं 90 बालक अध्ययनरत है इनमें 16 बालिकाएं एवं 12 बालक दृष्टिबाधित श्रेणी में है। इस संस्थान में बच्चों को सर्वांगीण शिक्षा के साथ-साथ आत्मविश्वास बढ़ाने के सभी उपाय किए जा रहे हैं। यहां बच्चे अपने दैनिक कार्यों को आसानी से पूरा कर लेते हैं। ये बच्चे दूसरे बच्चों की तरह सामान्य स्कूलों में सुबह की पाली में जाते हैं। दोपहर को इनकी विशेष प्रशिक्षण की कक्षाएं होती हैं जहां इनकी जरूरतों के अनुरूप इन्हें चीजें सिखायी जाती हैं। इसके साथ ही जिला प्रशासन के प्रयास अनुरूप दंतेवाड़ा जिले में नेत्रहीन बच्चों के लिए शिक्षा और तकनीक का जो समावेश हो रहा है, वह एक सराहनीय पहल है। इस क्रम में जिला प्रशासन द्वारा सक्षम स्कूल में दृष्टिबाधित बच्चों को एक विशेष उपकरण ''एनी डिवाइस'' प्रदान किया गया है। दृष्टिबाधित बच्चों के लिए एक क्रांतिकारी उपकरण यह एक स्मार्ट लर्निंग टूल है, जो ब्रेल लिपि सीखने और पढ़ने में बच्चों की मदद करता है। एनी डिवाइस खासतौर पर उन बच्चों के लिए डिजाइन किया गया है जो देखने में असमर्थ हैं। यह डिवाइस टच और ऑडियो फीचर्स के माध्यम से बच्चों को ब्रेल अक्षरों को पहचानने और लिखने में सहायता करता है।

कैसे काम करता है एनी डिवाइस?

बच्चे अपनी उंगलियों से डिवाइस पर ब्रेल अक्षरों को छूते हैं। डिवाइस तुरंत ऑडियो में अक्षर का नाम और उसकी ध्वनि सुनाता है। इसमें इंटरएक्टिव गेम्स और क्विज भी होते हैं, जो बच्चों को सीखने में मजेदार अनुभव प्रदान करते हैं।

बच्चों को होने वाले फायदे

एनी डिवाइस से बच्चे ब्रेल लिपि आसानी से सीख सकते है। इसके साथ ही यह डिवाइस बच्चों को आत्मनिर्भर बनने में मदद करता है, जिससे वे अपनी पढ़ाई में दूसरों पर कम निर्भर रहते हैं। सीखने का यह नया तरीका बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करता है। जिला प्रशासन का यह प्रयास दृष्टिबाधित बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 2013 में सक्षम विद्यालय की स्थापना से लेकर अब ब्रेल लिपि के उन्नयन और एनी डिवाइस के उपयोग तक, यह प्रयास नेत्रहीन बच्चों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है। इस संबंध में बच्चों को पढ़ा रहे शिक्षक श्री अमित यादव ने बताया कि 2015 से ब्रेल लिपि बच्चों को पढ़ा रहे है लेकिन अब जिला प्रशासन के सहयोग से हमें एक नया डिवाइस मिला है पहले ब्रेल मशीन में एक साथ लिख सकते थे लेकिन अब एनी डिवाइस के माध्यम से बच्चे और अच्छे से पढ़ाई कर सकते है और अन्य प्रकार की सुविधा मिलेगी, जिससे बच्चों और अच्छे से पढ़ पाएगें। ब्रेल लिपि पहले से ही नेत्रहीन बच्चों के लिए पढ़ने-लिखने का एक अनूठा साधन है। अब इस नई तकनीक, एनी डिवाइस, के माध्यम से बच्चों को न केवल पढ़ाई बल्कि गेम, गाने और अन्य डिजिटल सुविधाओं का भी अनुभव हो रहा है। यह ''डिवाइस वॉइस असिस्टेंस'' जैसी तकनीक से लैस है, जो बच्चों को आत्मनिर्भर और आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ने में मदद करती है। दंतेवाड़ा प्रशासन का यह कदम समाज के उन वर्गों के लिए प्रेरणा है।

रेशम के धागों से बुनी समृद्धि की कहानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले के आदिवासी बहुल क्षेत्र टांगरगांव में बदलाव की एक नई कहानी लिखी जा रही है। यहां के किसान अब रेशम विभाग की कोसा पालन योजना के जरिए आत्मनिर्भर बन रहे हैं और समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। परशु राम, राजकुमार, सुभाधर और अगस्तुस जैसे किसानों ने इस योजना को अपनाकर अपनी जिंदगी को एक नई दिशा दी है।

कुछ साल पहले तक, टांगरगांव के ये किसान अपनी आजीविका चलाने के लिए दूसरे राज्यों में मजदूरी करने को मजबूर थे। सालभर की मेहनत के बाद भी केवल 30-35 रूपए हजार ही बचा पाते थे। परिवार चलाना मुश्किल था, बच्चों की पढ़ाई और बेहतर जीवन के सपने अधूरे लगते थे। लेकिन, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में रोजगारोन्मुख योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए रेशम विभाग ने कोसा पालन योजना को टांगरगांव में लागू किया। 5 हेक्टेयर वनभूमि पर साजा और अर्जुना के पौधे लगाए गए। इन पौधों पर कोसा कीट पालन कर किसानों को न केवल रोजगार का अवसर मिला, बल्कि उनकी आय में कई गुना बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2024-25 में टांगरगांव के इन किसानों ने 3000 डीएफएल्स (डिंबों) का पालन किया और 1,51,080 कोसाफल का उत्पादन किया। इस उत्पादन से कुल 5 लाख 20 हजार से अधिक की आमदनी हुई। प्रत्येक किसान को औसतन 1.50 लाख रूपए की वार्षिक आय प्राप्त हुई। इस अतिरिक्त आय ने न केवल इन किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारा, बल्कि उनके परिवारों में भी खुशहाली लायी है। बच्चों को अब अच्छे स्कूलों में शिक्षा मिल रही है। पक्के मकानों का निर्माण हो रहा है। पूरे परिवार के लिए अच्छे कपड़े और जरूरतें पूरी हो रही हैं। मजदूरी के लिए अन्य राज्यों में जाने की मजबूरी खत्म हो गई है।

परशु राम और उनके साथियों ने बताया, 'कोसा पालन योजना ने हमारी जिंदगी बदल दी है। पहले जो सपने देखना भी मुश्किल लगता था, अब वे पूरे हो रहे हैं। बच्चों को पढ़ाई के लिए अच्छे स्कूल भेज पा रहे हैं। अब हमारे पास रोजगार है, आय है, और भविष्य के लिए उम्मीदें हैं। रेशम विभाग किसानों को उन्नत तकनीक, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान कर रहा है। किसी भी समस्या का समाधान करने के लिए अधिकारी और कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचते हैं।

सखी सहेली समूह ने मछली पालन से बदली जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुंगेली जिले के शुक्लाभाठा-विचारपुर गांव की महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नई मिसाल पेश की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सखी सहेली स्व-सहायता समूह के प्रयासों में साफझलकता है।

समूह की महिलाओं ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत सेतगंगा ग्रामीण बैंक से छह लाख रुपए का ऋण लेकर मछली पालन का व्यवसाय शुरू किया। इस व्यवसाय से उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है। समूह की अध्यक्ष पुष्पा बाई गबेल ने बताया कि पहले महिलाएं केवल खेती-बाड़ी पर निर्भर थीं। कम आमदनी के कारण घर की जरूरतें पूरी नहीं हो पाती थीं। समूह से जुड़ने और शासन की चक्रीय निधि के तहत 15,000 रुपए का रिवॉल्विंग फंड मिलने के बाद उन्होंने बैंक से ऋण लेकर मछली पालन व्यवसाय शुरू किया। धीरे-धीरे व्यवसाय को विस्तार देते हुए अब वे आर्थिक रूप से मजबूत हो गई हैं।

समूह की महिलाओं की इस सफलता ने न केवल उनकी जीवनशैली में सुधार किया है, बल्कि वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं।

समूह की अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता शासन की योजनाओं और उनके सही क्रियान्वयन का परिणाम है। सखी सहेली समूह की यह कहानी उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है, जो अपने जीवन को बदलने की दिशा में प्रयासरत हैं।

कार्यों में लेट लतीफी व लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्तः मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में जल संसाधन विभाग के विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति मिलते ही निविदा की प्रक्रिया शुरू करने की सख्त हिदायत दी। मंत्री कश्यप ने बैठक में सभी मुख्य अभियंताओं को यह सुनिश्चित करने को कहा कि प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बाद समय-सीमा के भीतर टेंडर लग जाना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की लेट लतीफी व लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी।

बैठक में जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में स्वीकृत कार्यों की निविदा की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि समस्त स्वीकृत कार्यों की निविदा प्रक्रिया को पूर्व बैठक में दिए गए निर्देश के अनुरूप लक्ष्य लेकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर 2024 तक के निविदा कार्य आदेशों को स्थानीय निकाय चुनाव आचार संहिता के पूर्व संपन्न किया जाए, साथ ही उन्होंने समय-समय पर कार्यों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

बैठक में मंत्री केदार कश्यप ने पुनरक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त नहीं हो पाने के कारण लंबे समय से अपूर्ण योजनाओं को स्वीकृति हेतु मंत्री परिषद से अनुमोदन प्राप्त करने के लिए प्रस्ताव तत्काल शासन को प्रस्तुत करने कहा है ताकि समय में योजनाओं को स्वीकृति प्राप्त कर संबधित कार्यों को पूर्ण किया जा सके।

वाटर लिंकिग योजना पर गंभीरता से कार्य करने के निर्देश

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नदी जोड़ो अभियान केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। महानदी से इंद्रावती नदी को जोड़ने वाली परियोजना को गोदावरी कावेरी लिंक परियोजना में शामिल करने के लिए एनडब्ल्यूडीए को प्रस्ताव भेजने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बांध सुरक्षा अधिनियम से संबंधित कार्यों एवं भूजल स्मार्ट मीटर लगाने हेतु ईओआई बुलाने का कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ करें।

बैठक में मंत्री श्री केदार कश्यप ने सिकासर बांध से कोडार बांध को जोड़ने के कार्य सर्वेक्षण एक माह के भीतर पूर्ण करने हेतु डीपीआर शासन को प्रेषित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

जगदलपुर में जल्द खुलेगा मुख्य अभियंता कार्यालय

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जगदलपुर में मुख्य अभियंता कार्यालय हेतु वित्त विभाग से अनुमोदन हो चुका है। तत्काल आवश्यक औपचारिकता पूर्ण कर बस्तर वासियों को मुख्य अभियंता कार्यालय प्राप्त होगा। अधिकारियों ने बताया कि राज्य जल सूचना केंद्र (स्टेट वॉटर इनफॉर्मेशन सेंटर) की स्थापना की जाएगी। जिसके लिए 22 पदों की सहमति वित्त विभाग से प्राप्त हो चुकी हैं। समस्त औपचारिकता पूर्ण कर कार्यालय प्रारंभ किया जायेगा।

लखपति दीदी पहलः बिहान योजना से कोंडागांव के विश्रामपुरी की इश्वरी बनी लखपति दीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर शुरू की गई लखपति दीदी पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का एक उल्लेखनीय माध्यम बन रही है। यह पहल राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत महिलाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और उनकी वार्षिक आय को एक लाख रुपये से अधिक तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इस पहल ने देशभर में हजारों महिलाओं की जिंदगी बदली है उन्ही में से एक हैं कोंडागांव जिले के विश्रामपुरी की इश्वरी मरकाम।

समूह से जुड़कर सफर की शुरुआत

कोण्डागांव जिले के विश्रामपुरी की इश्वरी मरकाम आज बिहान से जुड़कर अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए एक मिसाल बनी है। इश्वरी 2017 में समूह से जुड़ी हैं और आजीविका के छोटे-छोटे गतिविधियां कर आज अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ की है। इश्वरी अपने पति और दो बच्चों के साथ छोटा परिवार में रहती हैं। उनके पति कृषि कार्य करते हैं, लेकिन परिवार की जरूरतों और बच्चों की पढ़ाई के खर्च पूरे करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस कठिन परिस्थिति से उबरने के लिए इश्वरी ने महिला स्व-सहायता समूह का सहारा लिया और अपने जीवन को बदलने की ठानी। इश्वरी उन दिनों को याद करते हुए बताई की उस समय बड़ी मुश्किल से हमारा घर चलता था। परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए हम महीनों से पैसे इक्कठे करते थे तब जाकर हमारी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा कर पाते थे। इश्वरी ने बताया की बिहान से जुड़ने के बाद मेरे अन्दर एक आत्मविश्वास जगा है, आज मैं अपनी बात सबके बीच रख पाती हूँ। समूह से जुड़ने के बाद इश्वरी ने सीआईएफ की राशि का उपयोग कर विभिन्न आजीविका गतिविधियों की शुरुआत की। उन्होंने कृषि कार्य, फैंसी दुकान संचालन और स्कूलों में मध्यान्ह भोजन बनाने का कार्य कर रही हैं। इसके अलावा वे बीसी सखी के रूप में भी सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

आर्थिक स्थिति में हुआ सुधार

इश्वरी आज अपनी मेहनत और लगन से अलग-अलग स्त्रोतों से एक लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय अर्जित कर रही है। इश्वरी को कृषि कार्य से 35 हजार रुपए, फैंसी दुकान से 60 हजार और मध्यान्ह भोजन योजना से 24 हजार रुपए तक की आमदनी हो रही है। साथ ही उन्हें छत्तीसगढ़ शासन के महतारी वंदन योजना से भी हर महीने एक हजार रूपये प्राप्त हो रहा है। आज इन सभी आय स्त्रोतों से उनकी आर्थिक स्थिति पहले से कहीं बेहतर हो गई है। अब उनके बच्चों की पढ़ाई में आर्थिक तंगी नहीं आती और परिवार का जीवन स्तर पहले से अधिक बेहतर हो गया है। इश्वरी मरकाम की सफलता महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि जब महिलाओं को सही अवसर और संसाधन मिलते हैं, तो वे अपने जीवन को आत्मनिर्भरता और सफलता की ओर ले जा सकती हैं। इश्वरी कहती हैं, बिहान योजना ने मुझे और मेरे जैसी कई महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है।

हिराडबरी के निवासियों के लिए संजीवनी साबित हुआ जल जीवन मिशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पेयजल मनुष्य की बुनियादी और सर्वप्रमुख आवश्यकता में से एक है। लेकिन आज भी ग्रामीण क्षेत्र के बहुत बड़े वर्ग को पेयजल एवं निस्तारी हेतु पानी की उपलब्धता के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केन्द्र सरकार के द्वारा राष्ट्रीय जल जीवन मिशन योजना के तहत देश के हर घर में नल कनेक्शन प्रदाय कर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता हेतु कार्य किया जा रहा है। यह योजना देश लोगों के स्वास्थ्य उन्नयन के लिए कारगर योजना साबित हो रहा है।

प्रदेश के आदिवासी बहुल सूरजपुर जिले के विकासखण्ड-सूरजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत-सम्बलपुर के ग्राम हिराडबरी के ग्रामीणों को पेयजल एवं निस्तारी हेतु समुचित मात्रा में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराने से आज यह योजना ग्रामवासियों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। इस योजना के शुरू होने के पूर्व ग्राम हिराडबरी के ग्रामीणों को दूर जाकर पानी का प्रबंध करना पड़ता था। पूर्व में ग्रामीण पीने के पानी के लिए कुएँ पर निर्भर थे जिसमें गर्मीयों के मौसम में जल स्तर कम होने से पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध नहीं हो पाता था तथा बरसात आने पे कुएँ में मटमैला पानी भर जाता है। जिसमें पीने का पानी की बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो जाती थी।

परन्तु आज इस योजना के सफल क्रियान्वयन के फलस्वरूप ग्राम की महिलाओं को काफी सुविधा हो रही है। ग्रामीण महिलाएं को पानी के लिए काफी समस्या का सामना करना पड़ता था जिसके कारण उन्हें समय पर अपने घरेलु जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में कठिनाई होती थी। आज जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम के सभी घरों में नल के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

मत्स्य पालन से आर्थिक समृद्धि, सालाना आय 5.5 लाख रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मछुआरों तथ मत्स्य पालक कृषकों की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कई रियायतें दी जा रही है। मत्स्य पालन को प्रोत्साहित करने के लिए अनुसूचित जनजाति वर्ग और महिलाओं को 60 प्रतिशत तक अनुदान भी प्रदान किया जा रहा है, जिससे इस वर्ग के लोग भी मछली पालन को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर रहे है।

दंतेवाड़ा जिले के ग्राम मैलावाड़ा के प्रगतिशील कृषक जयराम कश्यप ने मत्स्य पालन के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करते हुए अन्य कृषकों के लिए प्रेरक बन गए है। पारंपरिक खेती से सीमित आय प्राप्त करने वाले जयराम ने 2017 में अपनी पुश्तैनी भूमि पर तालाब बनाकर मत्स्य पालन शुरू किया। उन्होंने मत्स्य विभाग के मार्गदर्शन में इन योजनाओं का लाभ उठाते हुए अपनी सवा एकड़ भूमि पर तालाब का निर्माण कराया और 2023-24 में 25 डिसमिल भूमि में पौंड-लाइनर भी स्थापित किया। जयराम कश्यप ने सघन मत्स्य पालन तकनीक अपनाते हुए रोहू, कतला, मृगल और कॉमन कॉर्प जैसी उन्नत नस्लों का पालन किया। उनके पौंड-लाइनर में सारंगी जैसी मछलियों के बीजों को तैयार किया जाता है। तालाबों में ऑक्सीजन की सतत आपूर्ति और वैज्ञानिक तरीकों से मछलियों की बेहतर देखभाल की जाती है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

खारून नदी में मिला महिला का शव, इलाके में मचा हड़कंप

रायपुर। खारून नदी से एक महिला का शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान सावित्री पटेल के रूप में हुई है। कुछ दिनों पहले वह पारिवारिक विवाद के चलते घर छोड़कर चली गई थी, जिसके बाद परिजनों ने थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

यह घटना रायपुर के डीडी नगर थाना क्षेत्र की है। सावित्री पटेल कुछ दिन पहले घर से अचानक गायब हो गई थी। परिजनों ने उसे ढूंढने की हर संभव कोशिश की, लेकिन जब सफलता नहीं मिली तो पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। पुलिस महिला की तलाश में जुटी हुई थी और अब उसका शव मिलने से परिवार सदमे में है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिला है कि मृतका पारिवारिक विवाद के चलते तनाव में थी। पुलिस को शक है कि सावित्री पटेल ने खारून नदी में कूदकर आत्महत्या की होगी। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगा। पुलिस ने मामले की हर एंगल से जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि महिला किन परिस्थितियों में नदी तक पहुंची। इस घटना से इलाके में सनसनी का माहौल है, और परिजन जवाबों की उम्मीद में हैं।

ट्रेनों में पॉकेटमारी, 19 गिरफ्तार

बिलासपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्री सुरक्षा को लेकर वर्ष 2025 में विशेष अभियान ऑपरेशन यात्री सुरक्षा की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत यात्री सामान चोरी और अन्य अपराधों में लिप्त आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और गोंदिया आदि प्रमुख स्टेशनों पर पिछले एक सप्ताह में आरपीएफ ने 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी मोबाइल चोरी और पॉकेटमारी जैसे अपराधों में लिप्त पाए गए। गिरफ्तार आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सौंप दिया गया है। रेलवे मुख्यालय ने बिलासपुर, रायपुर और नागपुर रेल मंडलों को इस अभियान के तहत विशेष निर्देश दिए हैं। वर्ष 2024 में स्टेशनों पर हुई आपराधिक घटनाओं का विश्लेषण कर तीनों मंडलों में विशेष टास्क टीमों का गठन किया गया है। साथ ही, हर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट पर अपराध गुप्तचर शाखाओं को सक्रिय किया गया है।

13 लाख के इनामी 13 नक्सलियों ने किया सरेंडर

एमपी व गोंदिया डिवीजन में सक्रिय नक्सली दंपत्ति भी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। नक्सलियों के सीसीएम उदय व कटकम सुदर्शन के गनमैन सहित कुल 13 लाख के इनामी सहित 13 नक्सलियों ने नक्सल पंथ से तौबा कर लिया ।आत्मसमर्पित नक्सलियों में एमपी व गोंदिया डिवीजन में सक्रिय नक्सली दंपत्ति भी शामिल है। सभी नक्सली कई बड़ी वारदातों में शामिल रहे है। आत्मसमर्पित नक्सलियों को सरकार की आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति के तहत 25- 25 हजार रुपये नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

पुलिस ने बताया कि गुरुवार को पुलिस के आला अफसरों के सामने 5 लाख रुपये के इनामी एसीएम एओबी कटाम एरिया कमेटी सदस्य मुना ककेम पिता सुकलु ककेम उम्र 25 निवासी कोरसागुडा बकनालपारा, 5 लाख के ईनामी पीपीसीएम प्लाटून नम्बर 10 सेक्शन ए कमाण्डर सुखराम हेमला पिता पाण्डु हेमला उम्र 35 निवासी राजापारा काकेकोरमा, 1 लाख रुपये के ईनामी देवे मड़कम उर्फ चांदनी पति नंदू अवलम उर्फ दुर्गेश उम्र 38 निवासी गोलापारा फुलनपाड़ थाना चिंतलनार जिला सुकमा, 1 लाख रुपये गोंदिया डिवीजन में पार्टी सदस्य नंदू अवलम उर्फदुर्गेश उर्फकोटेश पिता बुदरु अवलम उम्र 27 निवासी बेदरे रोडपारा थाना जगरगुंडा जिला सुकमा, 1 लाख रुपये के ईनामी पामेड़ एरिया कमेटी सदस्य भीमा वेको पिता मंगडू वेको उम्र 24 निवासी जीरापारा काऊरगुट्टा, कोंडापल्ली आरपीसी सीएनएम उपाध्यक्ष बिच्चैम मुड़मा पिता भीमा मुड़मा उम्र 30 निवासी कोंडापल्ली तामोपारा, गुञ्जाकोंटा आरपीसी मिलिशिया प्लाटून ए सेक्शन कमाण्डर लालू माड़वी उर्फ गोटा पिता कोसा माड़वी उम्र 32 निवासी गुञ्जाकोंटा, मेटटागुडा संगम सदस्या देवे मड़कम उर्फ जानकी पति मंगू कुरसम उर्फ पापन्ना उम्र 37 निवासी मेटागुडा पटेलपारा, जारपल्ली आरपीसी जनताना सरकार सदस्य न्याय शाखा अध्यक्ष समैया सुन्नम पिता लक्षमैया सुन्नम उम्र 32 निवासी एमपुरापारा सेंड्राबोर, कोमटपल्ली आरपीसी जनताना सरकार सदस्य कृषि शाखा अध्यक्ष भीमा नुपो पिता आयता नुपो उम्र 40 निवासी मिसापारा काउरगुट्टा, भूमकाल मिलिशिया कमाण्डर कोसा मड़कम पिता हिड़मा मड़कम उम्र 45 निवासी गोल्लापारा काऊरगुट्टा, काउरगुट्टा संगम सदस्य बुधु मड़कम पिता हड़मा मड़कम उम्र 55 निवासी काउरगुट्टा व कोमटपल्ली आरपीसी केएएमएस सदस्या पोज्जे नुपो पति जोगा नुपो उम्र 30 निवासी काउरगुट्टा जीरापारा ने नक्सल पंथ से तौबा करते हुए आत्मसमर्पण कर दिया।

दुर्ग कलेक्टर ने निगरानी बदमाश को किया जिलाबदर

दुर्ग। कलेक्टर व जिला दण्डाधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने दुर्ग शहर के निगरानी बदमाश सुभाष राजपूत उर्फ बिल्लू को जिला बदर कर दिया है। बिल्लू के लगातार अपराधिक प्रकरणों में लिप्त होने के कारण दुर्ग एसपी ने कलेक्टर को प्रतिवेदन दिया था। इस बाद निर्णय लेते हुए दुर्ग कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (ख) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सुभाष राजपूत उर्फबिल्लू को एक वर्ष की अवधि तक दुर्ग सहित सीमावर्ती जिलों की सीमाओं से बाहर रहने आदेशित किया है।

जिला दण्डाधिकारी सुश्री चौधरी ने पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला के प्रतिवेदन पर बदमाशों के अपराधिक आचरण एवं प्रवृत्ति पर नियंत्रण किए जाने तथा आम जनता में अमन-चैन और कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु जनहित में नयापारा निवासी सुभाष राजपूत उर्फबिल्लू को दुर्ग सहित रायपुर, बेमेतरा, बालोद, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई एवं धमतरी जिले की सीमाओं बाहर रहने कहा है। आदेश तिथि 7 जनवरी 2025 से एक सप्ताह के भीतर उसे बाहर चले जाने कहा गया है। जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार आदेश तिथि से एक वर्ष की अवधि तक उक्त जिलों की सीमाओं में जिला दण्डाधिकारी के आदेश के बिना सुभाष राजपूत उर्फबिल्लू प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार आरोपी सुभाष राजपूत पिता सुरेश सिंह राजपूत थाना क्षेत्र दुर्ग का आदतन अपराधी है। इनके विरूद्ध थाना छावनी में अपराधिक गतिविधियों से संबंधित विभिन्न धाराओं में 06 प्रकरण दर्ज है। आरोपी अत्यंत क्रूर प्रवृत्ति का है एवं इनके आतंक से लोग भयभीत होकर दहशत में है। इनके विरूद्ध लोगों के द्वारा गवाही देने में जान का खतरा बना रहता है। लोगों को मारना, पीटना इसके लिए आम बात है। इनके कृत्यों में आस-पास के अपराधिक प्रवृति के लोग भी सम्मिलित होते है। जिससे इनके हौसला दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इनके अपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण एवं अंकुश लगाना जरूरी हो गया है। जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए न्यायालयीन आदेश पारित कर आपराधिक प्रवृत्ति में संलिप्त सुभाष राजपूत को 01 वर्ष के लिए जिलाबदर किया गया हैं।

मुंगेली पावर प्लांट में बड़ा हादसा : चिमनी गिरने से कई मजदूर दबे, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में बड़ा हादसा हो गया। यहां रामबोर्ड गांव कुसुम पावर प्लांट में चिमनी गिरने से कई लोग दब गए। बताया जा रहा है कि हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो गई है। हादसे के बाद मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार मनियारी नदी के पास, बिलासपुर-रायपुर हाईवे से लगे रामबोर्ड गांव में कुसुम प्लांट है। मिली जानकारी के अनुसार प्लांट में रखा चिमनी अचानक गिर गया, जिससे वहां काम कर रहे कर्मचारी इसकी चपेट में आ गए। हादसे में वहां काम कर रहे कई मजदूर दब गए हैं। बताया जा रहा है कि हादसे में 4 की मौत भी हो गई है। हादसे के बाद घटनास्थल के पास बड़ी संख्या में स्थानीय लो जुट गए हैं। हादसे में प्रभावित परिवारों ने प्लांट प्रबंधन से मुआवजे की मांग की है।

नाले में मिली नवजात की लाश, मोहल्ले में मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र में गुरुवार को नाले में नवजात की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। शिवाजी नगर चर्च के पास नाले में गुरुवार दोपहर को नाले की सफाई के दौरान नवजात का शव दिखाई दिया। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर लोग जमा हो गए। आनन-फानन में खुर्सीपार पुलिस को सूचना दी गई। खुर्सीपार पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नवजात के शव को पीएम के लिए भेजा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर लगभग 1 से 2 बजे के बीच खुर्सीपार पुलिस को सूचना मिली कि शिवाजी नगर चर्च के पास स्थित नाले में नवजात की लाश पड़ी हुई है। सफाई कर्मी नाले की सफाई कर रहा था इस दौरान नवजात की लाश सामने आई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि नवजात का नाले में पड़ा हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि बच्चा किसी की नाजायज संतान रही होगी जिसे पैदा होते ही नाले में फेंक दिया गया।

पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि हाल के दिनों में कोई गर्भवती तो नहीं थी। मोहल्ले वालों ने भी पूछताछ में कुछ जानकारी होने से इनकार किया है। आशंका यह भी जताई जा रही है कि कोई बाहर से आकर यहां मोहल्ले में नवजात के शव को फेंककर चला गया होगा। फिलहाल खुर्सीपार पुलिस मामले की जांच कर रही है। नवजात के शव को पीएम के लिए भेजा गया। साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

वैन में लगी आग, बाल-बाल बचा ड्राइवर

दुर्ग। भिलाई में एक चलती हुई वैन कार में आग लग गई। पुलिस ने फायर ब्रिगेड को बुलाया। जब तक फायर ब्रिगेड की टीम वहां पहुंची और आग को बुझाया वैन पूरी तरह से जलकर राख हो गई। भिलाई नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मामला भिलाई टाउनशिप में फॉरेस्ट एवेन्यू रोड का है। यहां गुरुवार दोपहर 12 बजे के करीब के व्यक्ति वैन कार लेकर जा रहा था। उसे गाड़ी चलाने के दौरान ही कुछ जलने की तेज दुर्घगंध आई। उसने कार को रोका और नीचे उतरकर उसे चेक किया। ड्राइवर का कहना है कि वो कार में कहां से जलने की बदबू आ रही है उसे देख ही रहा था कि अचानक पूरी कार में आग फैल गई। इससे वो डर करके दूर भागा। आसपास से गुजर रहे लोगों ने तुरंत डायल 112 को फोन करके पुलिस को सूचना दी। भिलाई नगर पुलिस की पेट्रोलिंग टीम वहां पहुंची। पुलिस ने तुरंत बीएसपी से फायर ब्रिगेड की गाड़ी को बुलवाया। भायर ब्रिगेड की गाड़ी वहां पहुंची और एक गाड़ी पानी की मदद से जलती हुई कार की आग पर काबू पाया। जब तक कार की आग को बुझाया गया वो पूरी तरह से जलकर खाख हो गई। पूरे मामले में कोई जनहानि नहीं हुई है।

पत्नी व ससुराल वालों ने किया प्रताड़ित, मरने जा रहा हूं

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक सुपरवाइजर ने मरने से पहले अपना वीडियो बनाया। इसमें वह रोते हुए कह रहा है कि पत्नी और ससुराल वालों ने मिलकर खूब प्रताड़ित किया है। मृतक के मुताबिक, पत्नी का अवैध संबंध भी है। इस वीडियो के बाद सुपरवाइजर ने दुपट्टे के सहारे पंखे पर लटककर अपनी जान दे दी है। जानकारी के मुताबिक, मृतक का नाम उदय राज मिश्रा पिता नवनीत मिश्रा है। मामला गुढ़ियारी थाना इलाके का है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उदय मूल रूप से रीवा का रहने वाला था और रायपुर की एक कंपनी में सुपरवाइजर था। वर्तमान में वह गुढ़ियारी के दीक्षा नगर में अपने परिवार के साथ रह रहा था। मृतक का अपनी पत्नी के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा था। उनके दो बच्चे हैं। मम्मी पापा मुझे माफ कर दो। मैं अपनी पत्नी से, साली से, सास-ससुर से और साले से बहुत परेशान हूं। मेरी पत्नी किसी दूसरे के साथ फंसी थी। इस बात को जब मैं बोलता था तो यह लोग मुझे जान से मारने की धमकी देते थे। मेरे बच्चों को जान से मारने की धमकी देते थे। मैं अपनी जीवन लीला समाप्त कर रहा हूं। थाना प्रभारी साहब से अनुरोध है कि मेरे दोनों बच्चों को मेरे माता-पिता को सौंप दिया जाए। उसके नाना-नानी को मत दिया जाए उनके जीवन को खतरा है। उनके भविष्य को खतरा है। यह लोग मुझे बहुत डराएं और धमकाएं हैं।

मेरे दोनों भाइयों के लिए संदेश है कि माता-पिता भगवान हैं। माता-पिता को कभी दुख मत देना। उनकी बहुत सेवा करना। मेरा थाना प्रभारी महोदय से अनुरोध है कि मेरी पत्नी, साली, सास ससुर और साले आशीष को बिल्कुल मत छोड़ना। इन सभी ने मुझे बहुत प्रताड़ित किया है।

शहर में ट्रैफिक पुलिस का चौक-चौराहों पर चालानी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने बैठक लिए जिसमें सभी मंत्री और कोर ग्रुप के सदस्य भी शामिल हैं। नगरीय निकाय, पंचायत चुनाव को लेकर चर्चा हो रही है। चुनाव की जिम्मेदारी तय की जाएगी। चुनाव के मुद्दों पर भी चर्चा हो रही है।

छत्तीसगढ़ 10वीं व 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षा शुरू हो रही है। प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल की तैयारी पूरी हो गई है। प्रैक्टिकल्स के लिए बाहरी परीक्षकों की नियुक्ति की गई है। प्रैक्टिकल और प्रोजेक्ट के अंक 10 फरवरी तक भेजना अनिवार्य होगा। तय तिथि के बाद अंक प्रविष्टि और संशोधन के लिए भेजने पर स्कूल पर प्रतिदिन 1000 के हिसाब से लेट फाइन लगाया जाएगा।

रात 1 बजे के बाद ऑनलाइन फूड डिलीवरी बंद

शंकर नगर में नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है, नाले पर बने अवैध निर्माण पर निगम का बुलडोजर चला, बिल्डर ने नाला पाटकर कई सर्वेंट क्वार्टर बना दिए थे। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई की गई है। अमित खानचंदानी द्वारा अवैध निर्माण कराया गया था। शास्त्री चौक पर ई रिक्शा और ऑटो को आने से रोकने के मामले पर आज से दूसरे चरण की कार्रवाई शुरू होगी। चौक के चारों ओर ई-रिक्शा और ऑटो के लिए जगह तय की जाएगी। नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस अधिकारी जगह का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण कर ऑटो और ई रिक्शा के लिए स्टैंड की जगह तय की जाएगी। खालसा स्कूल के सामने, नगर घड़ी तिराहे, बंजारी चौक और मरहीमाता चौक सहित स्मारक के आसपास स्टैंड बनाया जा सकता है। निगम के आदेश के बाद शास्त्री चौक के आसपास ऑटो और ई-रिक्शाओं को रोकने की कार्रवाई लगातार जारी है।

राजधानी रायपुर में लगातार बढ़ रहे सड़क दुर्घटनाओं को लेकर पुलिस प्रशासन का सख्त रूप दिखेगा। पुलिस राजधानी और आसपास के इलाकों में सख्ती से चलानी कार्रवाई करेगी। दोपहिया वाहन पर बिना हेलमेट लगाए लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। राजधानी के चौक चौराहा सहित आउटर और हाईवे पर पुलिस कार्रवाई करेगी। चार पहिया वाहन चालकों पर भी सीट बेल्ट नहीं लगने पर चालानी कार्रवाई होगी।

रात 1:00 बजे के बाद ऑनलाइन फूड डिलीवरी बंद कर दी जाएगी, एसएसपी डॉ। लाल उमेद सिंह ने आदेश जारी किया है। बैठक लेकर आम जनता की सुरक्षा को मद्देनजर निर्देश जारी किया है। इंटरनेशनल ब्रांड की कंपनियों को इस संबंध में ईमेल भेजा गया है। जोमैटो स्विग्गी और क्लाउड किचन जैसे ऑनलाइन साइट्स रात एक बजे के बाद डिलीवरी नहीं कर सकेंगे। खाने पीने समेत अन्य वस्तु की डिलीवरी रात 1:00 के बाद बंद हो जाएगी।

लाखों रुपये ठगी करने वाला फरार आरोपी 2 साल बाद गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रार्थी शौर्यशील वर्मा ने थाना न्यू राजेन्द्र नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह अमलीडीह रायपुर में निवास करता है। प्रार्थी ने मेमर्स प्रेम कन्स्ट्रक्शन के पायल जैन, आशीष जैन, विकास जैन से मकान नं. 35 अमलीडीह प.ह.नं. रा.नि.म रायपुर 1 वार्ड क्रमांक 46 डां.राजेन्द्र प्रसाद वार्ड स्थित खुशी वाटिका में खसरा क्रं. 250/12,251/17 का भाग 1250 वर्गफुट जिसमें मकान बना हुआ है का क्रय दिनांक 17/06/2008 को बैनामा पंजीकरण कराया था तथा उक्त भवन का दाखील खारिज भी कराया था। प्रार्थी का स्थानांतरण वर्ष 2011 में मेरा

स्थानांतरण हैदराबाद से चेन्नई हो गया जिसके कारण उसने इस दरमियान अपने मकान सं. 35 खुशी वाटिका को एक स्थानीय परिवार को किराये पर दे रखा था। किरायेदार ने दिसम्बर 2016 को आवास खाली कर उसकी चाबी प्रार्थी को दे दी। किरायेदार द्वारा अक्टूबर 2015 में प्रार्थी को अवगत कराया गया कि मेसर्स इंडियाबुल्स बैंक द्वारा उसके मकान में नोटिस चस्पा किया गया है जो ऋण आदायगी के संबंध में हे। सूचना पर प्रार्थी बिल्डर आशीष जैन, पायल जैन, विकास जैन व मसर्स इंडियाबुल्स बैंक रायपुर से संपर्क कर सच्चाई का पता लगाया तो मेसर्स इंडियाबुल्स बैंक द्वारा प्रार्थी को बताया गया। भवन सं 35 खुशी वाटिका पायल जैन (पत्नी आशीष जैन बिल्डर) के नाम से पंजीकरण है तथा बैंक में मार्गेज कर रुपये 12,50,000/- का ऋण पायल जैन ने प्राप्त किया है।

चूंकि पायल जैन, आशीष जैन, विकास जैन एंव आईसीआईसीआई बैंक के तत्कालीन ऋण स्वीकृति अधिकारी ने सामूहिक रूप से यह जानते हुए कि भवन संख्या 35 पायल जैन के नाम से पंजीकृत है और मेसर्स इंडियाबुल्स बैंक में मार्गेज है के तथ्य को जानबूझ कर छिपातें हुए प्रार्थी एवं उसकी पत्नी के नाम बैनामा पंजीकृत कराया तथा कूटरचित सर्च दस्तावेज आईसीआईसीआई बैंक को प्रस्तुत कर प्रार्थी को मकान क्रय के लिए रुपए 19,50,000 का लोन दिलाया गया था। प्रार्थी को बिल्डर्स प्रेम कन्स्ट्रक्शन के द्वारा तथा पायल जैन, आशीष जैन, विकास जैन एंव आईसीआईसीआई बैंक के तत्कालीन ऋण स्वीकृति अधिकारी सम्मलित रूप से मिल कर छल करते हुए पूर्व में मार्गेज भवन को प्रार्थी को विक्रय कर ठगी किया गया है। जिस पर आरोपियों के विरूद्ध थाना न्यू राजेन्द्र नगर में अपराध क्रमांक 148/2022 धारा 420 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी न्यू राजेन्द्र नगर के नेतृत्व में थाना न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस की टीम द्वारा तत् समय घटना के संबंध में प्रार्थी तथा उसकी पत्नी से विस्तृत पूछताछ करते हुए आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया था। प्रकरण में आरोपी आशीष जैन दिनांक घटना से लगातार फरार चल रहा था, जिसकी टीम के सदस्यों द्वारा लगातार पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान आरोपी आशीष जैन की उपस्थिति के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना प्राप्त हुई जिस पर थाना प्रभारी न्यू राजेन्द्र नगर के नेतृत्व में थाना न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस की टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी आशीष जैन को गिरफ्तार कर उसके विरूद्ध कार्यवाही की गई है।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मुख्यमंत्री साय चालिहा महोत्सव में हुए शामिल खुशहाली के लिए की भगवान झूलेलाल की पूजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बिलासपुर के चकरभाठा में पूज्य सिंधु समाज द्वारा आयोजित चालिहा महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ राज्य की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने इस अवसर पर पूज्य सिंधु अमरनाथ आश्रम के संत श्री सांई लाल दास साहेब को नमन करते हुए उनका अभिनंदन किया।

श्री साय ने कहा कि पूज्य संत लाल दास जी ने 40 दिन का उपवास रखा है,उससे प्रदेश में खुशहाली आएगी। तप, पूजा पाठ यही हम सबकी ताकत है। श्री साय ने कहा कि वरुण अवतार भगवान झूलेलाल जी का अवतरण भी 40 दिन के सामूहिक तप के बाद हुआ। साईं लाल दास साहेब उसी परम्परा को आगे बढ़ा रहे है। सिंधी समाज धर्म प्रेमी सेवा भावी समाज है। इस अवसर पर विधायक धरम लाल कौशिक, अमर अग्रवाल सहित श्रद्धालु और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सिंधी समाज के लोग शिक्षित, समृद्ध एवं सेवाभावी होते है। अधिकांश समय वे समाज सेवा के काम में लगे रहते हैं। अपने पुरूषार्थ के बल पर उन्होंने देश में अच्छा मुकाम हासिल किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंधी समाज ने देश के विभाजन की विभीषिका को झेला है। अनेक कष्ट उठाने के बावजूद सिंधी समाज के लोगों ने हार नहीं मानी और अपनी जीवटता एवं आपसी सहयोग की बदौलत तरक्की के रास्ते पर आज भी निरंतर अग्रसर हैं। विधायक धरमलाल कौशिक ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि चकरभाठा स्थित पूज्य सिंधु अमर धाम के चालिहा उत्सव में देश-विदेश से श्रद्धालु आते हैं। उनका सेवा भाव देखने योग्य होता है। यहां आयोजित चिकित्सा शिविर में नामी-गिरामी चिकित्सक स्व-स्फूर्त रूप से अपनी सेवाएं देते हैं।

अमित चिमनानी ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि पूज्य संत लाल दास साहेब का तप छत्तीसगढ़ के लोगो के जीवन में खुशहाली लाएगा। इस अवसर पर संभागायुक्त महादेव कावरे, कलेक्टर अवनीश शरण, एसपी रजनेश सिंह, रामू रोहरा सहित बड़ी संख्या में सिंधी समाज के श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उत्सव में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री साय ने विश्व हिन्दी दिवस की दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के नागरिकों को 10 जनवरी विश्व हिन्दी दिवस की बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एक समाज की आत्मा होती है, जो उसकी पहचान और संस्कृति को प्रदर्शित करती है।राष्ट्रभाषा हिन्दी से पूरी दुनिया में हमारी पहचान कायम होती है। यह हमें एकता के सूत्र में पिरोए रखती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम सबका दायित्व है कि अपनी राष्ट्रभाषा हिन्दी का सम्मान बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करें। बच्चों को राष्ट्रभाषा के गौरव की कहानियां और संस्मरण बताएं और हिन्दी के प्रति रूचि विकसित करें। हिन्दी को राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित-प्रसारित करें, जिससे हिन्दी अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में लोकप्रिय बन सके।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विश्व हिंदी दिवस लोगों को हिन्दी के महत्व के प्रति न सिर्फ जागरूक करता है बल्कि हमारी भाषा और संस्कृति से जुड़ने और उसे सहेजने का विशेष अवसर भी देता है।

खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल की अध्यक्षता में मंत्रीमंडलीय उप समिति द्वारा धान के शत-प्रतिशत निराकरण के लिए मंथन

- राज्य सरकार द्वारा चालू खरीफ सीजन में 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का अनुमान
- अतिशेष 40 लाख मीट्रिक टन धान की नीलामी के लिए हुआ गहन विचार-विमर्श
- धान खरीदी के एवज में 21.54 लाख किसानों को 25,549 करोड़ रूपए का भुगतान
- केन्द्रीय और राज्य पूल में 125 लाख मीट्रिक टन धान का होगा निष्पादन
- प्रदेश में अब तक 113 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल बघेल की अध्यक्षता में आज महानदी भवन मंत्रालय में मंत्रि-मंडलीय उप समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य सरकार द्वारा अनुमानित 160 से 165 लाख मीट्रिक टन धान के शत-प्रतिशत निष्पादन के लिए मंथन किया गया। केन्द्रीय और राज्य पूल में 125 लाख मीट्रिक टन धान का निष्पादन हो सकेगा। लगभग अतिशेष 40 लाख मीट्रिक टन धान के नीलामी के लिए निविदा प्रक्रिया पर गहन रूप से विचार-विमर्श किया गया। धान खरीदी के पश्चात माह फरवरी के दूसरे सप्ताह में नीलामी की प्रक्रिया शुरू करने के निर्णय पर सहमति बनी है। अंतिम निर्णय मंत्रिपरिषद की बैठक में तय होगी। मंत्रिमंडलीय उप समिति के सदस्यों ने शत-प्रतिशत धान के निराकरण हेतु अपने-अपने सुझाव भी दिए।

गौरतलब है कि प्रदेश में इस खरीफ विपणन वर्ष में लगभग 160 से 165 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन संभावित है। इस खरीफ विपणन वर्ष में भारत सरकार से प्राप्त केन्द्रीय पूल में चावल जमा लक्ष्य (70 लाख मीट्रिक टन) एवं नागरिक आपूर्ति निगम के राज्य पूल लक्ष्य में (14 लाख मीट्रिक टन) से लगभग 125 लाख मीट्रिक टन धान का निराकरण संभव होगा। वहीं लगभग 40 लाख मीट्रिक टन धान का निराकरण शेष रहेगा। जिसकी नीलामी कर निराकरण किया जाना है। बैठक में धान खरीदी व्यवस्था, कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव, किसानों के लिए पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था, टोकन की स्थिति सहित विभिन्न किसान हित से जुड़े मुद्दे की समीक्षा की गई। बैठक में धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए धान के उठाव में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में मंत्री-मंडलीय उप समिति के सदस्य कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सहकारिता मंत्री केदार कश्यप और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा 20 सूत्रीय कार्यान्वयन मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए।

खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल की अध्यक्षता में हुई बैठक में अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पिछले वर्ष समर्थन मूल्य पर रिकॉर्ड 144.92 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी। वर्तमान में राज्य में 2058 सहकारी समितियां तथा 2739 धान उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से आगामी खरीफ विपणन वर्ष में 160 से 165 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का अनुमान लगाया गया है। चालू खरीफ विपणन वर्ष में 14 नवम्बर 2024 से शुरू हुए धान खरीदी महाअभियान के तहत अब तक 113 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। धान खरीदी के एवज में राज्य 21.54 लाख किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 25 हजार 549 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए तेजी के साथ धान का उठाव जारी है। बैठक में खाद्य विभाग के अपर मुख्य सचिव ऋ चा शर्मा, सचिव अन्बलगन पी, कृषि विभाग की सचिव शहला निगार, वित्त विभाग के विशेष सचिव मुकेश बंसल, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, सहकारिता विभाग के आयुक्त कुलदीप शर्मा, खाद्य विभाग के संचालक जितेन्द्र कुमार शुक्ला, मार्कफेड के प्रबंध संचालक रमेश शर्मा, नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक जे. महोबे, मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक एम.एस. सवन्नी, खाद्य विभाग के संयुक्त सचिव जी. एस. शिकरवार सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

श्रम मंत्री देवांगन ने 41 हजार से अधिक श्रमिकों के बैंक खाते में 23.22 करोड़ रुपए अंतरित किए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मंडल कार्यालय में 41 हजार से अधिक श्रमिकों के बैंक खाते में 23.22 करोड़ रूपए डीबीटी के माध्यम से अंतरित की। विष्णु देव की सरकार में प्रदेश के श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों को लगातार योजनाओं का लाभ तेजी से मिल रहा है। 37 हजार से अधिक निर्माण श्रमिकों को 14.83 करोड़ रूपए एवं 4928 असंगठित क्षेत्र के कर्मकारों को राशि रूपए 8.39 करोड़ रूपए, 28 श्रमिकों को पेंशन एवं दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के तहत अनुदान राशि दिया जा रहा है। इस तरह कुल 41 हजार से अधिक श्रमिकों को 23.22 करोड़ रूपए डीबीटी के माध्यम से अंतरित किए गए। इस अवसर पर सचिव सह श्रमायुक्त श्रीमती अलरमेल मंगई डी, अपर आयुक्त श्रम एस. एल. जांगड़े सहित श्रमिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान श्रम मंत्री ने मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत चंगोराभाटा निवासी झम्मन यादव को एक लाख रूपए की सहायता राशि का चेक, मुख्यमंत्री नोनी सक्तिकरण सहायता योजना के तहत फफडीह रायपुर निवासी रेणु मिश्रा एवं उदिया सोसायटी टाटीबंद की दीपा साहू को 20-20 हजार रूपए का चेक, दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के अंतर्गत कुशालपुर रायपुर निवासी श्रीमती रेश्मी बाई, प्रोफेसर कॉलोनी रायपुर की लता देवांगन, कोटा रायपुर की हेमलता साहू एवं सड्डू रायपुर की भुवनेश्वरी साहू को एक-एक लाख रूपए की चेक प्रदाय किया गया।

इस अवसर पर श्रम मंत्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव की सरकार में प्रदेश के श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों को लगातार योजनाओं का लाभ तेजी से मिल रहा है। श्रम विभाग के तीनों मंडल-छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मंडल, संगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल एवं श्रम कल्याण मंडल के माध्यम से योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। इसी का परिणाम है की जनवरी से नवम्बर 2024 तक श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 375 करोड़ रूपए अंतरित किये जा चुके हैं। श्रम विभाग के तीनों मंडल के अंतर्गत श्रमिकों के हित में विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है।

समृद्ध संस्कृति की धरोहर संजोए राजनांदगांव, देश के तीन महान साहित्यकारों ने दी विशेष पहचान

राजनांदगांव से हैं गजानन माधव मुक्तिबोध, डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र जैसी हस्तियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजनांदगांव शहर की तासीर दूसरे शहरों से बिल्कुल अलग है। यहां हर उत्सव एवं पर्व शिद्दत से ऐसे महसूस होते हैं, मानों जिंदगी के हर रंग यहां मुस्कुराते हैं। यह एक जिन्दादिल शहर है, यहां के रंगों में उत्सव एवं संस्कृति रची बसी है। संस्कारधानी में चाहे गणेश चतुर्थी हो या नवरात्रि, दशहरा, दीपावली एवं अन्य पर्व इनकी अनोखी रंगत यहां के नसों में धधकती है। संस्कारधानी की झांकी एवं हॉकी बहुत प्रसिद्ध है। बात चाहे गणेश चतुर्थी के समय की भव्य झांकी की हो या हॉकी के उम्दा खेल की। झांकी के समय बड़ी संख्या में राजनांदगांव एवं अन्य जिलों के नागरिक यहां शामिल होते हैं। शहर के फ्लाईओव्हर से निकलना, शहर को निहारना, मानों एक ही नजर में पूरे शहर की आबोहवा को समझने के समान है। यहां की खासियत है, लोगों की मिलनसारिता तो वहीं शहरी एवं ग्रामीण परिवेश की मिली जुली संस्कृति का आभास होता है।

राज्य के प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य एवं राजनांदगांव को खेल मानचित्र पर एक नई पहचान मिली है। लगभग 22 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित भव्य अन्तर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन होता आ रहा है। लगभग साढ़े नौ एकड़ के रकबे में निर्मित यह विशाल स्टेडियम हॉकी के खिलाडियों को समर्पित है। हॉकी की नर्सरी के रूप में जिले की पहचान है। यहां के हॉकी खिलाड़ी अपनी बेहतरीन खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते रहे हैं। शहर के मध्य में लगभग 20 एकड़ से भी अधिक क्षेत्र में फैले दिग्विजय स्टेडियम में क्रिकेट मैदान है एवं बास्केटबाल का अंतर्राष्ट्रीय कोर्ट है। देश भर में बास्केटबाल के 8 कोर्ट में से एक केवल राजनांदगांव शहर में है। यहां बैडमिंटन के 3 इंडोर कोर्ट, 3 टेबल टेनिस, वेटलिफ्टिंग ट्रेनिंग सेंटर, एथलेटिक्स 400 मीटर ट्रैक, मल्टीपर्पज जिम, भारतीय खेल प्राधिकरण साई का हॉकी तथा बास्केटबाल के लिए हॉस्टल है। देश के तीन महान साहित्यकारों श्री गजानन माधव मुक्तिबोध, डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र के साहित्य, कृतियों, विचारों एवं जीवन को समझने के लिए हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों के लिए मुक्तिबोध संग्रहालय दर्शनीय है। देश के तीन महान साहित्यकारों गजानन माधव मुक्तिबोध कक्ष, डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र की कृतियां, पाण्डुलिपि एवं वस्तुएं सुरक्षित रखी गई हैं। उनकी रचनाएं यहां संकलित की गई है। उनके डायरी के अंश तथा उनके जीवन के प्रेरक प्रसंग की जानकारी यहां अंकित है। अन्य जिलों एवं विभिन्न स्थानों से शोधार्थी एवं विद्यार्थी यहां उनकी स्मृतियों से जुड़ी वस्तुएं एवं कृतियां संग्रहालय में देखना समझना चाहते है। राजनांदगांव में उनकी अविस्मरणीय यादों को संजोए यह शहर हिन्दी साहित्य प्रेमियों के लिए त्रयी की यह कर्मभूमि का गौरवपूर्ण स्थान है। राजनांदगांव जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारे लाल सिंह, कुंज बिहारी चौबे, नाचा व रंगकर्म के प्रमुख कलाकार पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर, फिदाबाई मरकाम, गायन एवं अभिनय के प्रसिद्ध कलाकार भैय्यालाल हेड़ऊ, चंदैनी गोंदा के कलाकार खुमान साव, फिल्म निर्देशक किशोर साहू, लोक कलाकार बरसाती भैय्या, सुप्रसिद्ध गायिका कविता वासनिक, कवि एवं उपन्यासकार विनोद कुमार शुक्ल, पद्मश्री फूलबासन बाई जैसे ख्याति प्राप्त साहित्यकारों, कलाकारों, समाजसेवी एवं प्रबुद्धजनों से जिले की विशेष पहचान है।

राजनांदगांव की विशेष पहचान

राजनांदगांव शहर तालाबों का शहर है। जल संरक्षण की दृष्टिकोण से शहर में रानीसागर, बूढ़ासागर, मोतीपुर तालाब, मठपारा तालाब, शंकरपुर तालाब सहित लगभग 32 से अधिक तालाब हैं। शहर का चौपाटी प्रसिद्ध है। जहां लक्ष्मण झूला, ट्वाय ट्रेन, नौका विहार, बच्चों के खेलने के लिए झूले एवं खुबसूरत गार्डन आकर्षण का केन्द्र है। गार्डन के दूसरी ओर पुष्प वाटिका है। वहीं ऊर्जा पार्क सुंदर उद्यान है। शहर में विभिन्न स्थानों में गार्डन होने से हरितिमा का आभास होता है। जिला प्रशासन तथा नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों में पौधरोपण किया गया। फ्लाई ओव्हर के नीचे गार्डन विकसित किया गया है तथा फ्लाई ओव्हर के अन्य भाग को व्यवस्थित तरीके से पार्किंग के लिए उपयोग किया जा रहा है। वहीं छोटी-छोटी दुकानें भी लगाई जा रही हैं। शहर के मध्य से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 53 पर फ्लाई ओव्हर के बनने से शहर पर ट्रैफिक का दबाव कम हुआ है, शहर व्यवस्थित बना तथा आवागमन की सुविधा बढ़ी है। शहर की डिजिटल लाईब्रेरी विद्यार्थियों एवं पाठकों के लिए लोकप्रिय है। भारतीय इतिहास में रियासतों का अपना महत्व रहा है। छत्तीसगढ़ में 14 रियासत थी, उनमें से एक रियासत राजनांदगांव थी। रियासत काल में राजनांदगांव एक राज्य के रूप में विकसित था एवं यहां पर सोमवंशी, कलचुरी एवं मराठों का शासन रहा। पूर्व में यह नंदग्राम के नाम से जाना जाता था। यहां बैरागी राजाओं का शासन था। रियासत के प्रमुख शासकों में महंत घासीदास, महंत बलराम दास, महंत सर्वेश्वर दास एवं अंतिम शासक महंत दिग्विजय दास प्रमुख थे। इन शासकों के शासनकाल में रोजगार, शिक्षा, साहित्य के क्षेत्र में इस रियासत का उल्लेखनीय योगदान रहा है। महंत बलराम दास के समय में रायपुर वाटर वर्क्स रायपुर, रानी जोधपुर वाटर वर्क्स 1842, बलराम प्रेस 1899 बीएनसी मिल्स की स्थापना, नगर पालिका की स्थापना, स्कूलों का निर्माण महत्वपूर्ण कार्यों में से है। देश की आजादी के लिए राष्ट्रीय आंदोलन में राजनांदगांव जिले की अहम भूमिका रही है। ऐतिहासिक दृष्टि से शहर के प्राचीन मंदिर शीतला मंदिर, नोनी बाई मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, बलभद्र, मंदिर, रियासतकालीन विरासत, यहां का समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर है। पाताल भैरवी मंदिर बर्फानी धाम के नाम से प्रसिद्ध है। भव्य गुरूद्वारा, रामदरबार, रथ मंदिर धार्मिक पर्यटन स्थल है। छत्तीसगढ़ी संस्कृति के अनुरूप स्थानीय हरेली, पोला, छेरछेरा, तीजा, दीपावली, होली एवं अन्य सभी लोकपर्व मनाए जाते हैं। खान-पान की संस्कृति में चीला, फरा, देहरौरी, ठेठरी, खुरमी, पपची, अईरसा जैसे स्थानीय व्यंजनों का प्रचलन में है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से बेहतर हुई जशपुर जिले की स्वास्थ्य सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से छत्तीसगढ़ के शासकीय अस्पतालों की सुविधाओं में लगातार विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से राज्य के मरीजों का विश्वास सरकारी अस्पतालों के प्रति मजबूत हुआ है। जशपुर के रामप्यारे और दीनदयाल स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर अपनी कहानी बयान कर रहे हैं।

कैंसर का उपचार कराने में मेरी पूरी जमा पूंजी खत्म हो गयी घर बेचने तक की नौबत आ गयी, ऐसे में जिला अस्पताल का दीर्घायु वार्ड मेरे लिए संकटमोचक बना जहां मुझे निःशुल्क उपचार के साथ दवाइयां भी मिल रहीं हैं। ये कहना है राजापारा निवासी 60 वर्षीय रामप्यारे राम का। राम प्यारे शासकीय मॉडल स्कूल में भृत्य के पद पर कार्यरत हैं। कई सालों से उनके पेट में दर्द एवं जलन की शिकायत थी। प्रारम्भ में जब राम प्यारे ने अम्बिकापुर में निजी अस्पताल में जांच कराई तो पेट में अल्सर होने की बात कह कर चिकित्सकों ने ईलाज प्रारम्भ किया। दो साल तक उपचार होने के बाद आराम ना मिलने पर उन्होंने रायपुर के निजी अस्पताल में अपने ईलाज कराया। जांच में पता चला कि उन्हें अमाशय का कैंसर है। वहां से दूसरे निजी अस्पताल रेफर किया गया। जहां उनका एक साल तक उपचार चला। इस ईलाज में उनकी घर की सारी जमा पूँजी खत्म हो गयी। स्थिति ऐसी बनी कि उन्हें अपना घर बेचने तक की नौबत आ गयी थी। वे कर्ज के बोझ तले दबते चले गए। बच्चों ने जहां से बन पड़ा कर्ज लेकर ईलाज कराने की कोशिश की। ऐसे में उन्हें जिला अस्पताल में निःशुल्क उपचार के संबंध में जानकारी मिली। उन्होंने यहां पर अपना उपचार कराना प्रारम्भ किया। अब उन्हें ईलाज के लिए बार बार रायपुर के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। राम प्यारे बताते हैं कि उनके ईलाज में प्रति माह 90 हज़ार से 1 लाख तक हो जाते थे। ऊपर से आने जाने और अन्य खर्चे अलग से करना पड़ता था। यहां पर उपचार निःशुल्क हो जाता है और कहीं जाने के खर्च की भी जरूरत नहीं पड़ती। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं शासन का धन्यवाद दिया।

कांसाबेल के कैंसर पीड़ित मरीज दीनदयाल यादव ने बताया कि उन्हें सितम्बर 2023 से कई शारीरिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। पहले जब जांच कराई तो हैड्रोसिल की समस्या का पहचान कर उसका ईलाज किया गया। पर शारीरिक व्याधि फिर भी बढ़ती रही पेट में सूजन हो गया। एक दिन वे घर पर काम करते हुए बेहोश हो गए तो 2-3 दिनों तक बेहोशी की हालत में कुनकुरी में ईलाज चलता रहा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950